CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 195 ता. 30 जनवरी 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पूर्वोत्तर आर्थिक गलियारे से दक्षिण पूर्व एशिया के साथ बढ़ेगा व्यापार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को विभिन्न विकास परियोजनाओं और उत्तर पूर्व आर्थिक गलियारे पर चर्चा करने के लिए आयोजित बैठक में कहा कि गलियारे का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र का आर्थिक विकास और दक्षिण पूर्व एशिया के साथ अपने व्यापार में सुधार करना है। रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा कि DoNER मंत्रालय पूर्वोत्तर आर्थिक गलियारे की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के कार्यान्वयन का समर्थन करेगा। मंत्री ने इस दौरान पूर्वोत्तर आर्थिक गलियारे पर उत्कृष्ट अध्ययन के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) को बधाई भी दी।

रेड्डी ने आश्वासन दिया कि DoNER (पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास) मंत्रालय पूर्वोत्तर आर्थिक गलियारे की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के कार्यान्वयन का पूरा समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र का आर्थिक विकास और दक्षिण पूर्व एशिया के साथ इसके व्यापार में सुधार करना है। इस मौके पर मंत्री ने DoNER मंत्रालय के सचिव को अन्य मंत्रालयों की भागीदारी के साथ एक अंतर-मंत्रालयी टास्क फोर्स बनाने पर काम करने को भी कहा। मंत्री ने कहा कि उनका प्रस्ताव है कि सचिव, डोनर वित्त, परिवहन मंत्रालय, सड़क परिवहन मंत्रालय, कृषि, रेलवे, नागरिक उड्डयन, जलमार्ग और शहरी विकास प्राधिकरण और पर्यटन, विदेश मंत्रालय और सभी आठों को शामिल करते हुए एक अंतर-मंत्रालयी कार्यबल बनाने पर काम करेंगे।

एडीबी के साथ मिलकर होगा काम-

रेड्डी ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्य एडीबी को सभी आवश्यक समन्वय प्रदान करेंगे और इस पूर्वोत्तर आर्थिक गलियारे के समय पर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए एडीबी के साथ मिलकर काम करेंगे। रेड्डी ने आगे सुझाव दिया कि एडीबी गैर-सरकारी क्षेत्र की क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर सकता है

योगी-शाह के बाद यूपी में अब पीएम मोदी संभालेंगे भाजपा की कमान, 31 जनवरी को पहली वर्चुअल रैली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 जनवरी को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी भाजपा के लिए अपनी पहली आभासी राजनीतिक रैली को संबोधित करेंगे। इस दौरान पहले चरण में मतदान वाले जिलों को फोकस किया जाएगा। चुनाव आयोग ने कोविड -19 के बढ़ते मामलों के कारण 31 जनवरी तक रैलियों और रोड शो पर प्रतिबंध लगा दिया है। भाजपा के सूत्रों ने कहा कि अगर चुनाव आयोग यह प्रतिबंध बढ़ाता है तो पीएम इसी तरह की आभासी रैलियों को संबोधित कर सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया है कि 31 जनवरी को रैली की योजना इस तरह से बनाई जाएगी कि यह एक बार में पश्चिम यूपी क्षेत्र के कम से कम चार से पांच जिलों को कवर करे। प्रारंभिक योजना के अनुसार, यह रैली सहारनपुर, बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर और गौतम बौद्ध नगर जैसे जिलों को कवर करेगी।

पार्टी की योजना इस रैली के जरिए करीब 21 विधानसभा क्षेत्रों को साधने की है। हालांकि इसे आयोजित करने का मसौदा प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि इन जिलों में पीएम की आभासी रैली के लिए प्रत्येक भाजपा मंडल में एक एलईडी स्क्रीन होगी। एक एलईडी स्क्रीन पर लगभग 500 लोगों को लाने का लक्ष्य है। इस तरह एलईडी स्क्रीन के जरिए पार्टी की योजना एक वर्चुअल रैली में करीब 50,000 लोगों तक पहुंचने की है।

एलईडी स्क्रीन के अलावा, पीएम मोदी के भाषण को सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। सूत्रों ने कहा और कहा कि भाजपा थिंक टैंक जनता के बीच पीएम की लोकप्रियता को भुनाना चाहता है। इन आभासी रैलियों के माध्यम से लोगों को भाजपा के समर्थन में जुटाना चाहता है।

● सूत्रों ने कहा कि इस तरह की वर्चुअल रैलियां आगे भी आयोजित की जा सकती हैं, लेकिन यह रैलियों पर प्रतिबंध के चुनाव आयोग के फैसले पर निर्भर करेगा। अब तक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय प्रमुख जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, यूपी भाजपा प्रमुख स्वतंत्र देव सिंह और अन्य सहित भाजपा नेता पश्चिमी यूपी में घर–घर प्रचार करते रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को घर–घर जाकर संपर्क कार्यक्रम करने के लिए मुजफ्फरनगर और सहारनपुर जिले में होंगे। वह देवबंद में डोर–टू–डोर कार्यक्रम करेंगे, जहां योगी सरकार ने हाल ही में आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की एक इकाई स्थापित करने की घोषणा की है।

सूत्रों ने कहा कि इस तरह की वर्चुअल रैलियां आगे भी आयोजित की जा सकती हैं, लेकिन यह रैलियों पर प्रतिबंध के चुनाव आयोग के फैसले पर निर्भर करेगा। अब तक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय प्रमुख जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, यूपी भाजपा प्रमुख स्वतंत्र देव सिंह और अन्य सहित भाजपा नेता पश्चिमी यूपी में घर-घर प्रचार करते रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को घर-घर जाकर संपर्क कार्यक्रम करने के लिए मुजफ्फरनगर और सहारनपुर जिले में होंगे। वह देवबंद में डोर-टू-डोर कार्यक्रम करेंगे, जहां योगी सरकार ने हाल ही में आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की एक इकाई स्थापित करने की घोषणा की है।

भारत में अगले 4-5 सप्ताह और रह सकती है कोरोना की तीसरी लहर, एक्सपर्ट्स ने बताए कारण

नई दिल्ली। देश में कोरोना की तीसरी लहर अपने ढलान पर दिख रही है। महामारी के दैरिक मामलों में लगातार कमी दिख रही है। आज 2.35 लाख नए मामले सामने आए हैं। वहीं, रिकवर होने वालों की संख्या 3.37 लाख के करीब रही। विशेषज्ञों का मानना है कि पॉजिटिव केस की रफ्तार अगले 4-5 सप्ताह तक यही रहने वाली है। उन्होंने त्योहारी सीजन, शादी समारोह और चुनावी गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए यह अनुमान लगया है। अधिकारियों का कहना है कि डेल्टा से संक्रमित लोगों की तुलना में ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित मामलों में तेजी से गिरावट होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ओमिक्रॉन वैरिएंट देश के प्रमख शहरों तक ही सीमित है, लेकिन देश के अधिकांश हिस्सों में एक साथ उछाल आया है।

डेल्टा और ओमिक्रॉन के संक्रमण में काफी अंतर

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एक बार जब संस्करण देश में प्रवेश कर गया, तो दिसंबर के मध्य से लगभग पूरे देश में एक साथ मामले तेजी से फैलने लगे। व्यावहारिक रूप से अब देश के अधिकांश राज्यों में ओमिक्रॉन से संक्रमित 90त्न से अधिक मरीज आइसोलेशन में हैं। उन्होंने कहा, डेल्टा और ओमिक्रॉन के संक्रमण में काफी अंतर है। डेल्टा को गिरावट में छह महीने लगे। वहीं, ओमिक्रॉन वैरिएंट के बहुत तेजी से कम होने की संभावना है।

कल 871 मरीजों की कोरोना से मौत

देश में बीते 24 घंटे में 2,35,532 नए कोरोना केस दर्ज हुए और 871 मरीजों की मौत हुई। इस दौरान 3,35,939 संक्रमित ठीक हुए, जिससे अब तक रिकवर हुए लोगों की संख्या 3.83 करोड़ से ज्यादा हो गई है। इस समय एक्टिव केस 20,04,333 हैं। सक्रिय मामलों की दर 4.91% है और रिकवरी रेट 93.89% है।

सेना ने गांदरबल में तीन संदिग्धों को दबोचा, चीनी ग्रेनेड और पिस्तौल बरामद

श्रीनगर। भारतीय सेना ने गांदरबल जिले के हडूरा के शुहामा इलाके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो पिस्तौल, तीन मैगजीन और दो चीनी ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। सेना ने बताया कि गांदरबल के शुहामा में ज्वाइंट मोबाइल वाहन चेक पोस्ट बनाया गया था। यहां रुकने का इशारा करने पर तीन लोगों ने भागने की कोशिश की, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। इनके पास से चीनी ग्रेनेड और दो पिस्तौल बरामद की गई। वहीं, बारामूला जिले में शुक्रवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक पुलिसकर्मी की हत्या करने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारियों ने बटमालू इलाके में एसडी कॉलोनी में कांस्टेबल मुनीर मेराज के आवास के पास उन पर गोलियां चला दीं। उन्होंने बताया कि हमले में वह बाल-बाल बच गए। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

राजौरी में ट्रेनिंग के दौरान विस्फोट में सेना के चार जवान घायल

दूसरी तरफ, राजौरी जिले में ट्रेनिंग सेशन के दौरान हुए विस्फोट में सेना के चार जवान घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि नौशेरा सीमा क्षेत्र में सैन्य अड्डे पर रेगुलर ट्रेनिंग के दौरान दुर्घटनावश विस्फोटक उपकरण में ब्लास्ट हो गया, जिससे चार सैनिक घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दिल्ली समेत इन शहरों में गुजर चुका कोरोना का पीक, मामलों में आई गिरावट

यहां रुकने का इशारा करने पर तीन लोगों ने भागने की कोशिश की, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। इनके पास से चीनी ग्रेनेड और दो पिस्तौल बरामद की गई।

सूत्रों ने बताया कि उनमें से दो को उधमपुर में कमांड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि घटना की 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश दे दिए गए हैं।

भाजपा की बढ़ेंगी मुश्किलें? किसान मोर्चा 3 फरवरी से शुरू करेगा मिशन उत्तर प्रदेश

नई दिल्ली। तीन कृषि कानून रद्द होने के बाद भी सरकार और किसानों के बीच चला आ रहा विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी की गिरफ्तारी व बर्खास्ती की मांग व सरकार के किसानों से किए गए वादों को न निभाने के खिलाफ तीन फरवरी से मिशन उत्तर प्रदेश शुरू करने का ऐलान किया है। वहीं मोर्चा अपनी मांगों को लेकर 31 जनवरी को देश भर के सभी तहसील व जिला मुख्यालयों पर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी।

किसानों और सरकार के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद अभी थमता नहीं दिख रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा ने ऐलान किया है कि व 3 फरवरी से पूरे उत्तर प्रदेश में मिशन उत्तर प्रदेश शुरू करेगी। शुक्रवार को समन्वय समिति की बैठक में इस बात का निर्णय लिया गया। मिशन उत्तर प्रदेश के तहत किसा मोर्चा द्वारा केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्री टेनी की गिरफ्तारी व बर्खास्ती की मांग उठाई जाएगी। मिशन के पहले चरण में तीन फरवरी को मोर्चा प्रेस कांफ्रेंस करेगा। उसके बाद मोर्चा से जुड़ी सभी संगठन नुक्कड़-सभाएं करेंगे। प्रदेश में साहित्य का वितरण किया जाएगा। सोशल मीडिया पर भी सरकार के खिलाफ अभियान चलाया जाए। 31 जनवरी को मोर्चा के आह्वान पर देश भर की तहसील व जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मोर्चा की तरफ से जानकारी दी गई कि भाजपा सरकार ने वादी खिलाफी की है। एमएसपी पर न अभी तक कमेटी बनाई, आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए और न ही अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्ती और गिरफ्तारी हुई है। इसी विरोध में 31 जनवरी को किसान विश्वासघात दिवस मनाएंगे। इसको लेकर सभी संगठनों से बात हुई है। किसानों के साथ ही अन्य संगठन भी विश्वासघात दिवस में शामिल होंगे। साथ में मार्चो ने मिशन यूपी का भी ऐलान कर दिया। इसमें किसान संगठनों के लोग गांव-गांव जाकर सरकार की नीतियों का विरोध करेंगे।

सोशल मीडिया से दोस्ती कर युवकों को हनीट्रैप में फंसाया, आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड कर मांगे पैसे

नोएडा। नोएडा में साइबर ठग ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर दो युवकों की अश्लील वीडियो बनाकर उनको ब्लैकमेल कर ठगी का प्रयास किया है। आरोपियों ने दोनों को महिला के जरिये हनीट्रैप में फंसाया था। पीड़ितों ने साइबर सेल में अज्ञात ठगों के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में युवक ने बताया कि उनके पास कुछ दिन पहले फेसबुक पर एक फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। यह फ्रेंड रिक्वेस्ट एक पुरुष की आईडी से आई थी। इसके बाद दोनों के बीच में आपस में बातचीत होने लगी। कुछ दिन बाद आरोपी ने पीड़ित से व्हाट्सएप नंबर लिया। उसने वीडियो कॉल करने की बात कही। आरोपी ने जैसे ही पीड़ित के व्हाट्सएप नंबर पर वीडियो कॉल की तो सामने महिला नग्न अवस्था में नजर आई। इस वीडियो को आरोपी महिला ने रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद पीड़ित के पास महिला ने कॉल करके धमकी दी कि वह संबंधित अश्लील वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर देगी। इसके एवज में आरोपी ने उससे लाखों रुपये की मांग की। फिर पीड़ित ने साइबर सेल को मामले की शिकायत दी। इसी तरह ठगों ने एक अन्य युवक से सोशल मीडिया पर दोस्ती कर उसकी अश्लील वीडियो बनाकर ठगी का प्रयास किया है। पीड़ित ने भी इस मामले की शिकायत साइबर सेल को दी है। पुलिस ने दोनों पीड़ितों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह फ्रेंड रिक्वेस्ट एक पुरुष की आईडी से आई थी। इसके बाद दोनों के बीच में आपस में बातचीत होने लगी। कुछ दिन बाद आरोपी ने पीड़ित से व्हाट्सएप नंबर लिया। उसने वीडियो कॉल करने की बात कही। आरोपी ने जैसे ही पीड़ित के व्हाट्सएप नंबर पर वीडियो कॉल की तो सामने महिला नग्न अवस्था में नजर आई।

फर्जी आईडी बनाकर करते हैं ठगी

आरोपी फेसबुक सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लड़की के नाम से फर्जी आईडी बनाकर लोगों को फ्रेंड बनने की रिक्वेस्ट भेजते हैं। रिक्वेस्ट स्वीकार करने के बाद उसके साथ चैटिंग कर झांसे में लेकर अश्लील वीडियो बना लेते हैं। फिर आपतिजनक वीडियो बनाकर उसको वायरल करने की धमकी दे रुपये की मांग करते हैं।

बदनामी के डर से पुलिस को नहीं देते शिकायत

इस तरह के मामलों फंसने वाले पीड़ित बदनामी के डर से अधिकतर मामलों में पुलिस को शिकायत नहीं देते हैं। उनको डर रहता है कि मामले का खुलासा होने के बाद उनकी छवि परिवार के बीच में धूमिल हो जाएगी।

दिल्लीवालों को कड़ाके की ठंड से मिली थोड़ी राहत

धूप निकली तो आठ डिग्री बढ़ा तापमान, चार दिन चलेंगी तेज हवाएं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में धूप खिलने के साथ ही तापमान में तेजी से इजाफा दर्ज किया जा रहा है। बीते चार दिनों में ही दिन के अधिकतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार-पांच दिनों के बीच सुबह के समय हल्की धुंध और दिन में आसमान साफ रहेगा।

दिल्ली के लोग इस बार जनवरी महीने में भीषण ठंड का सामना कर रहे थे। खासतौर पर आसमान पर छाए निचली सतह के बादलों और कोहरे के चलते धूप सतह तक नहीं पहुंच पा रही थी। इससे दिन भर लोगों को बर्फीली हवाओं और गलन के चलते ठिठुरना पड़ रहा था। लेकिन, बीते दो दिनों से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है।

गुरुवार को दिन ज्यादातर समय धूप निकली रही थी। शुक्रवार के दिन भी दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में सुबह के समय हल्की धुंध देखने को मिली। लेकिन, दिन चढ़ने के साथ ही धुंध साफ हो गई और धूप निकल आई। दिनभर भी दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में चटख धूप निकली रही। इसके चलते तापमान में तेजी से इजाफा दर्ज किया गया है। केंद्र में दिन का अधिकतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि सामान्य से दो डिग्री कम है। वहीं, न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से तीन डिग्री कम है।

दिल्ली समेत इन शहरों में गुजर चुका कोरोना का पीक, मामलों में आई गिरावट

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार-पांच दिनों के बीच सुबह के समय हल्की धुंध देखने को मिलेगी। जबकि, दिन के समय आसमान साफ रहेगा। आसमान साफ होने के चलते जहां अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। वहीं, न्यूनतम तापमान में कमी देखने को मिलेगी। अगले दो-तीन दिनों मे अधिकतम तापमान के 22 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं।

चार दिन चलेंगी तेज गति वाली हवाएं

राजधानी दिल्ली में अगले चार दिनों के बीच तेज गति वाली हवाएं चलेंगी। इस दौरान हवा की रफ्तार 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हो सकती है। इसके चलते खासतौर पर दिल्ली के लोगों को प्रदूषण से राहत मिलेगी। जबकि, हवा के चलते दिन मौसम में ठंडक का अहसास अभी बना रहेगा।

बीते चार दिनों में इस तरह बढ़ा अधिकतम तापमान

25 जनवरी	12.1
26 जनवरी	16.4
27 जनवरी	19.1
28 जनवरी	20.6

(स्रोतः मौसम विभाग, आंकड़े डिग्री सेल्सियस में)

सार समाचार

कर्नाटक में 31 जनवरी से नहीं लगेगा नाइट कर्फ्यू, 50 फीसदी क्षमता के साथ खुलेंगे सिनेमा हॉल

बेंगलुरू। कर्नाटक समेत देश का हर राज्य कोरोना संक्रमण से प्रभावित है। जिसके चलते राज्य सरकारों ने अलग-अलग तरह की पाबंदियां लगाई हैं। लेकिन जिस राज्य में संक्रमण दर कम हो रही है, वहां पर प्रतिबंधों में भी ढील दी जा रही है। आपको बता दें कि कर्नाटक सरकार ने फैसला किया है कि सोमवार से बेंगलुरु में स्कूल खोले जा सकेंगे और 31 जनवरी से नाइट कर्फ्यू लागू नहीं होगा।

50 फीसदी क्षमता के साथ खुलेंगे जिम

कर्नाटक सरकार में मंत्री बीसी नागेश ने बताया कि हमने सोमवार से बेंगलुरु में स्कूल खोलने का फैसला किया है। 31 जनवरी से नाइट कर्फ्यू लागू नहीं रहेगा; संबंधित विभागों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि उचित दिशानिर्देशों का पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि जिम 50 फीसदी क्षमता के साथ जारी रहेंगे। बार, होटलों को खोलने की अनुमति है और 50 फीसदी क्षमता के साथ सिनेमा हॉल को संचालित करने की मिली इजाजत।

उन्होंने बताया कि सरकारी कार्यालय शत-प्रतिशत क्षमता के साथ काम करेंगे। मंदिरों में पूजा-अर्चना करने की भी अनुमति है। प्रदर्शन, धरना, धार्मिक सभा, राजनीतिक कार्यक्रम प्रतिबंधित रहेंगे। इसके अलावा 200 सदस्यों के साथ घर के भीतर और 300 सदस्यों के साथ बाहर विवाह समारोह की अनुमति दी गई है। खेल परिसदों और स्टेडियम भी 50 फीसदी क्षमता के साथ खोले जा सकेंगे।

चुनाव ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले 71 कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने विभाग प्रमुखों को लिखा

होशियारपुर। डिप्टी कमिश्नर-जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अपनीत रियात ने बताया कि पहली रिहर्सल में अनुपस्थित रहने और नोटिस का जवाब नहीं देने वाले 71 कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर पंजीकरण के लिए उनके विभाग प्रमुखों को लिखा गया है। उन्होंने कहा कि जिले में विधानसभा चुनाव को पारदर्शी एवं सुगम बनाने में मतदान एवं मतगणना कर्मचारियों की अहम भूमिका है। इसलिए चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों ने जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी ड्यूटी देना चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भविष्य में चुनाव ड्यूटी को गंभीरता से न लेने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ ऐसी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उक्त चुनावों से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि चुनाव ड्यूटी सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्यों में से एक है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कोविड-19 टेस्टिंग रिपोर्ट केवल सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों/लैब से ही वैध मानी जायेगी। इसलिए कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों के संबंधित अधिकारी को सौंप देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर रिपोर्ट को गलत बताया तो लैब व फर्जी रिपोर्ट दर्ज कराने वाले कर्मचारी के खिलाफ संबंधित लैब का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया। मैं। मैं। आर. पंजीकृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी निजी लैब परीक्षण रिपोर्ट वैध नहीं मानी जाएगी

चुनाव से पहले किसान संगठन फिर बढ़ाएंगे भाजपा की मुश्किलें, 31 जनवरी को मनाया जाएगा विश्वासघात दिवस

नई दिल्ली। भले ही कृषि कानूनों को वापस ले लिया गया है। लेकिन भाजपा के लिए मुश्किलें अभी भी कम नहीं हो रही है। पंजाब और उत्तर प्रदेश के चुनाव में किसानों की नाराजगी भी भाजपा को झेलनी पड़ रही है। इन सब के बीच संयुक्त किसान मोर्चा ने एक बार फिर से भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए 31 जनवरी को देशभर में विश्वासघात दिवस मनाने का ऐलान किया है। जानकारी के मुताबिक जिला और ब्लॉक स्तर पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भी किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस विरोध प्रदर्शन में किसान मोर्चे से जुड़े सभी किसान संघ शामिल होंगे।

विश्वासघात दिवस को कम से कम 500 जिलों में आयोजित करने का भी प्लान रखा गया है। विश्वासघात दिवस से संयुक्त किसान मोर्चा चुनावी मौसम में एक बार फिर से कृषि कानूनों को लेकर किसानों के संघर्ष को जिंदा रखना चाहता है। विरोध प्रदर्शन के साथ ही 31 जनवरी को केंद्र सरकार को एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। 31 जनवरी को होने वाले कार्यक्रमों को लेकर समीक्षा बैठक भी की गई है। किसानों का दावा है कि सरकार ने उनके साथ धोखा किया है। आपको बता दें कि कृषि कारणों को लेकर किसान संगठनों ने दिल्ली के अलग-अलग बॉर्डर पर 1 साल तक के विरोध प्रदर्शन किया था। सरकार ने किसानों की मांग पर सहमति जताई थी जिसके बाद यहां आंदोलन स्थगित हुआ था। बताया जा रहा है कि अगर सरकार संयुक्त किसान मोर्चा की मांगों को पूरा करने में सफल नहीं होती है तो आंदोलन को फिर से शुरू किया जा सकता है। किसान संगठन लगातार एमएसपी को लेकर कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही किसान आंदोलन में शहीद हुए लोगों के परिवारों को मुआवजा देने की भी मांग की गई थी जिस पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं हो सकी है। यही कारण है कि किसान संगठन विश्वासघात दिवस के माध्यम से सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

दिल्ली में गाड़ी में तेल या गैस डलवाने के लिए जल्द वैध पीयूसी जरूरी होगा: दिल्ली सरकार

नयी दिल्ली दिल्ली में गाड़ी में पेट्रोल-डीजल या सीएनजी गैस डलवाने के लिए जल्द ही वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसी) जरूरी किया जाएगा। राज्य सरकार इस बाबत एक नीति मसौदा जारी करेगी और इस पर लोगों से सुझाव एवं आपत्तियां आमंत्रित करेगी। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि नीति से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन दिल्ली में न चलें और शहर निवासियों को स्वच्छ हवा मिले। मंत्री की सलाहकार रीना गुप्ता ने कहा कि नीति दिल्ली के सभी नागरिकों के लिए स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने की केजरीवाल सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। एक बयान में कहा गया है, 'वाहन मालिकों को अपना वैध पीयूसीसी ईंधन (पेट्रोल) पंप ले जाना होगा। अगर पीयूसी वैध नहीं पाया जाता है, तो उन्हें इसे पंप पर पुनः जारी करवाना होगा।' बयान में राय के हवाले से कहा गया है, 'यह बहुत महत्वाकांक्षी नीति है। दिल्ली सहित उत्तर भारत गंभीर वायु प्रदूषण का सामना करता है, खासकर सर्दियो में।' उन्होंने कहा कि इस नीति के लागू होने के बाद पेट्रोल पंप पर वैध पीयूसी दिखाना जरूरी होगा। सरकार नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रौद्योगिकी आधारित उपायों पर भी काम कर रही है। मोटर वाहन अधिनियम के तहत वैध पीयूसी नहीं होने पर 10,000 रुपये का चालान या छह महीने की सजा या दोनों हो सकते हैं।

संक्रमण के मामलों में परिवर्तन नहीं होने पर भी कोविड का खतरा बरकरार: डब्ल्यूएचओ

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की वरिष्ठ अधिकारी पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि भारत के कुछ शहरों और राज्यों में भले ही कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों के एक स्तर पर पहुंचने के बाद बदलाव न हो रहा हो लेकिन खतरा अब भी बरकरार है और हमारा ध्यान संक्रमण को फैलने से रोकने और स्थिति के अनुसार कदम उठाने पर होना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा था कि देश में कुछ जगहों पर कोविड संक्रमण के मामले कम होने या उनमें कोई परिवर्तन नहीं होने के संकेत मिले है लेकिन इस प्रवृत्ति पर गौर करने की जरूरत है। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में परिवर्तन नहीं होने के सवाल पर डब्ल्यूएचओ में दक्षिण पूर्वी एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक डॉ पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि कोविड-19 का खतरा बरकरार है और वर्तमान में संक्रमण फैलने की दर के विपरीत कोई भी देश 'जोखिम से बाहर नहीं है।'

सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'इसलिए भले ही कुछ शहरों या राज्यों में संक्रमण के मामले स्थिर हों, लेकिन संकट बरकरार है। हमें सतर्क रहने की जरूरत है। हमारा ध्यान संक्रमण को फैलने से रोकने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार कदम उठाने और टीकाकरण का दायरा बढ़ाने पर होना चाहिए। इस महामारी में सभी देशों को यही करने की आवश्यकता है।' देश में 21 जनवरी को संक्रमण के 3,47,254 नए मामले सामने आए थे जिसके बाद दैनिक मामलों में गिरावट देखी जा रही है। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा, हरियाणा और पश्चिम बंगाल में विशेष रूप से संक्रमण के मामलों और दर में कमी देखी गई है। यह पूछे जाने पर कि क्या वैश्विक महामारी अब स्थानीय महामारी (एंडेमिक) के चरण में पहुंच गई है, सिंह ने कहा, 'वर्तमान में हम अब भी वैश्विक महामारी के बीच हैं और हमारा ध्यान संक्रमण को फैलने से रोकने और जीवन बचाने पर होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'स्थानीय महामारी होने का यह मतलब नहीं है कि वायरस चिंता का कारण नहीं है।'

कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप से तुलना करते हुए सिंह ने कहा कि ओमीक्रोन फेफड़े की बजाय श्वास नली के ऊपरी हिस्से को तेजी से संक्रमित करता है इसलिए भी वायरस का यह स्वरूप तेजी से फैल रहा है। उन्होंने कहा, 'ओमीक्रोन से संक्रमण की तुलना वायरस के अन्य स्वरूपों से करें तो ऐसा प्रतीत होता है कि गंभीर बीमारी और मौत का खतरा कम है। लेकिन संक्रमण के मामलों की अत्यधिक संख्या के कारण कई देशों में बड़ी संख्या में रोगी अस्पताल पहुंच रहे हैं जिससे स्वास्थ्य सेवा पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।' सिंह ने कहा कि सभी देशों में टीकाकरण का दायरा बढ़ाने और इसमें तेजी लाने की जरूरत है।

विदेशों में कट्टरपंथी तत्वों से भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा के लिए विदेश मंत्रालय ने उठाया ये बड़ा कदम

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि हाल में ऐसे कुछ मामले हुए हैं जहां कट्टरपंथी तत्वों ने विदेशों में भारतीय राजनयिक परिसरों में तोड़फोड़ करने की कोशिश की है, लेकिन इस तरह के प्रयासों के खिलाफ पर्याप्त उपाय किए गए हैं। कुछ भारतीय मिशनों के बाहर खालिस्तान समर्थक समूहों के प्रदर्शनों की रिपोर्ट के बीच विदेश मंत्रालय का यह बयान आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत विदेशों में अपने राजनयिकों और राजनयिक परिसरों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है जिसमें वे रहते हैं और काम करते हैं। अमेरिका और अन्य मिशनों में खालिस्तानी समर्थक समूहों द्वारा तोड़फोड़ की रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर बागची ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों और मेजबान सरकारों के साथ मिलकर काम करते हैं कि पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए। हाल के कुछ ऐसे उदाहरण हैं जहां कट्टरपंथी तत्वों ने विदेशों में राजनयिक परिसरों में तोड़फोड़ करने और मिशन के कामकाज को बाधित करने की कोशिश की है।' उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिशों के खिलाफ पर्याप्त उपाय किए गए हैं।

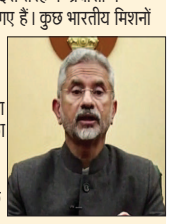

चुनावी दंगल में अब पीएम मोदी की होगी एंट्री, 31 जनवरी को करेंगे पहली वर्चुअल रैली

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अपने चरम पर है। सभी दल प्रचार में अपना दमखम दिखा रहे हैं। हालांकि कोविड-19 प्रोटोकॉल की वजह से राजनीतिक दलों को चुनावी सभा करने की इजाजत नहीं है। यही कारण है कि राजनीतिक दल डिजिटल रैलियों के जरिए मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा ने भी उत्तर प्रदेश में पूरी ताकत झोंक रखी है। खबर के मुताबिक भाजपा के लिए अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उत्तर प्रदेश के दंगल में उतरने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश में वर्चुअल रैली करेंगे।

जानकारी के मुताबिक 31 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर पहली रैली को संबोधित करेंगे। यह रैली वर्चुअल होगी। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस वर्चुअल रैली को 5 जिले शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, सहारनपुर, गौतम बुद्ध नगर में दिखाया जाएगा। इसमें कुल 21 विधानसभा में शामिल होंगी। भाजपा सूत्रों ने बताया कि अगर चुनाव आयोग फिजिकल रैली और रोड शो पर प्रतिबंध को बढ़ाता है तो प्रधानमंत्री इसी तरह की आभासी रैली आगे भी कर सकती है। बताया जा रहा है कि मोदी की इस वर्चुअल रैली के लिए प्रत्येक भाजपा मंडल में एक एलईडी स्क्रीन होगी जहां उनके संबोधन को दिखाया जाएगा।

21 विधानसभाओं को कवर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण को 100 स्थानों पर दिखाने की योजना है। प्रति स्थानों पर कम से कम 500 लोगों को कवर किया जाएगा। भाजपा कहीं ना कहीं प्रधानमंत्री की वर्चुअल रैली के जरिए 50,000 से ज्यादा मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। भाजपा थिंकटैंक जनता के बीच प्रधानमंत्री की लोकप्रियता का उपयोग करना चाहता है तथा वर्चुअल रैलियों के माध्यम से मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिश भी कर रहा है। वर्तमान में देखें तो भाजपा के सभी बड़े नेता जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, राजनाथ सिंह शामिल हैं उत्तर प्रदेश में डोर टू डोर कैंपेन कर रहे हैं।

हस्तिनापुर में मतदाता संवाद कार्यक्रम में सपा पर बरसे सीएम योगी

मेरठ (एजेंसी)

हस्तिनापुर मे प्रभावी मतदाता संवाद कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने सपा सरकार पर जमकर निशाना साधा और भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनवाते हुए भाजपा सरकार को पुनः सत्ता में लाने की बात कही। आधे घंटे के उद्बोधन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत के इतिहास की साक्षी रही और मां गंगा के तट पर बसी हस्तिनापुर की पावन नगरी को प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि हस्तिनापुर के बिना भारत का इतिहास अधूरा है। मेरठ का औघडनाथ मंदिर जहां से भारत में क्रांति की ज्योति प्रज्ज्वलित हुईङ्क वह भी लोगों की आस्था का केंद्र है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार ने लोक कल्याण दायित्वों का निर्वाह किया है। समग्र विकास और अपराध नियंत्रण को बरकरार रखने के लिए भाजपा का सत्ता में लाना है। उन्होंने कहा कि विकास और अपराध नियंत्रण की दृष्टि से उत्तर प्रदेश अन्य प्रदेशों के मुकाबले मॉडल प्रदेश साबित हुआ है। योगी ने पिछली सरकारों की नीति और नीयत पर सवाल खड़े किए। कहा कि पिछली सरकारों के समय पर्व-त्योहार से ठीक पहले दंगे व उपद्रव कराए जाते थे। उन्होंने सपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि चोरों को चांदनी रात अच्छी नहीं लगती। जब वे पहले बिजली नही दे पाए तो अब मुफत बिजली कैसे मुहैया करा पाएंगे।

युवाओं के साथ संवाद में प्रियंका ने कहा, कांग्रेस बनाना जानती है और भाजपा सिर्फ बेचना

नई दिल्ली (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस भी दमखम लगा रही है। इन सब के बीच कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी ने युवाओं के साथ संवाद किया। प्रियंका गांधी ने दावा किया कि कांग्रेस ने आईआईटी, एम्स जैसे संस्थान बनाए जबकि भाजपा सरकार बनाने की बजाय इन्हें बेचना जानती है। प्रियंका गांधी ने कहा कि जातिवादी और सांप्रदायिक राजनीति से जनता को कोई फायदा नहीं होगा। इससे आपको रोजगार नहीं मिलेगा। इससे आपके लिए कोई शिक्षण संस्थान नहीं बनेगा। ये लोग 70 साल, 70 साल करते हैं, लेकिन आज तक जो संस्थान बने हैं, वे सब कांग्रेस ने बनाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है - युवाओं को सशक्त बनाना, न कि लाचार बनाना।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि उनकी पार्टी अगर उत्तर प्रदेश की सत्ता में आती है तो सभी खाली सरकारी पदों पर चयन प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए एक विशेष भर्ती आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को बेरोजगार रखने से; उनकी उम्मीदें पूरी न करने से कुछ राजनीतिक दलों का फायदा हो रहा है। जो नकारात्मक राजनीति करते हैं, उनका इससे फायदा हो रहा है। कांग्रेस महासचिव ने काह कि नौजवानों को नौकरी देना सरकार का कर्तव्य है। लेकिन युवाओं को प्रताड़ित किया जा रहा है; तंग किया जा रहा है। आपके साल बिगड़ रहे हैं, करियर तबाह हो रहा है। जब रोजगार नहीं होता है, तो युवा में गुस्सा होता है और उस गुस्से का सरकार गलत तरीके से इस्तेमाल करती है। अब रोजगार होगा, तो सरकार युवाओं का इस्तेमाल नहीं कर पाएगी। प्रियंका गांधी ने यह भी कहा, भर्ती प्रक्रिया भी छह महीने के भीतर की जाएगी। अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनती है तो एक विशेष भर्ती आयोग का गठन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव के समय रोजगार की बात क्यों? नहीं करती? क्योंकि उनके पास कहने को कुछ नहीं है। कुछ किया भी नहीं और न करने का इरादा है। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने कहा कि देश में ऐसी राजनीति हो रही है जो चुनाव के समय आपको बहकाने का काम करती है। चुनाव के समय बात होनी चाहिए कि नौकरी कहां से दोगे, मेरी शिक्षा के लिए क्या करोगे? मेरे बच्चों के भविष्य के लिए क्या करोगे? विकास की बात होनी चाहिए।

अखिलेश यादव का दावा, उत्तर प्रदेश में समाजवादी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है

गाजियाबाद। (एजेंसी)

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा किया हर वर्ग के लोगों ने मान लिया है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। यहां कोई सरप्राइज नहीं मिलने वाला, असली सरप्राइज गुजरात से मिलेगा। गाजियाबाद में राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनाव में हराने का अन्न संकल्प लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि उप्र की जनता ने अपना फैसला सुना दिया है। यहां कोई सरप्राइज नहीं मिलने वाला, यहां की जनता ने खासकर किसान, नौजवान व्यापारी, हर वर्ग के लोगों ने मान लिया है कि समाजवादी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

उन्होंने कहा कि अगर असली सरप्राइज कहीं से मिलेगा तो वह गुजरात से मिलेगा क्योंकि यूपी के बाद वहां चुनाव होने वाले हैं। यादव ने कहा जनता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारों का सम्मान करने वालों को सबक सिखाएगी। उप्र का चुनाव परिणाम खुशहाली का परिणाम लेकर आएगा। सत्तारूढ़ भाजपा पर आरोप लगाते हुए यादव ने कहा कि भाजपा घबराई हुई है और जो पहलवान हार जाता है वह कभी काटता है, कभी नोचता है। ये लोग हार चुके हैं, किसान इनको हराएंगे। उन्होंने तीन कृषि कानूनों का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि आखिरकार भाजपा ने किसानों को अपमानित क्यों किया। यादव ने कहा कि किसान कैसे भूल सकता है कि भाजपा ने अन्नदाता का अपमान किया।

यादव ने सपा और रालोद गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए कहा कि आज मुझे इस बात की खुशी है कि मेरे साथ जयंत चौधरी जी हैं और हम दोनों मिलकर किसानों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता यह बात जानते हैं कि चौधरी चरण सिंह जी ने किसानों की खुशहाली की लड़ाई लड़ी। उन्होंने सभी किसानों को एक साथ लाकर आंदोलन किये। जयंत चौधरी जी और यहां पर जितने लोग किसानों की लड़ाई लड़ रहे हैं उन्हें चौधरी चरण सिंह जी की विरासत को बचाने और उसे आगे ले जाने का मौका मिला है।

पेगासस के लिए प्रधानमंत्री जिम्मेदार, संसद के भीतर उनकी जवाबदेही तय करने की मांग करेंगे: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)

कांग्रेस ने पेगासस स्पाईवेयर से संबंधित 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की खबर को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर 'देशद्रोह करने' और संसद एवं उच्चतम न्यायालय के साथ धोखा करने का आरोप लगाया और कहा कि वह आगामी बजट सत्र के दौरान संसद के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जवाबदेही तय करने की मांग करेगी क्योंकि 'वह खुद इस स्पाईवेयर की खरीद के एवं इसके गैरकानूनी उपयोग के लिए जिम्मेदार हैं।' मुख्य विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि वह इस मामले पर जल्द ही विभिन्न विपक्षी दलों के साथ बातचीत करके संसद सत्र के समय की रणनीति तय करेगी।

अमेरिकी समाचार पत्र 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की खबर के अनुसार, 2017 में भारत और इजराइल के बीच हुए लगभग दो अरब डॉलर के अत्याधुनिक हथियारों एवं खुफिया उपकरणों के सौदे में पेगासस स्पाईवेयर तथा एक मिसाइल प्रणाली की खरीद मुख्य रूप से शामिल थी। इस खबर को लेकर राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'मोदी सरकार ने हमारे लोकतंत्र की प्राथमिक संस्थाओं, राजनेताओं व जनता की जासूसी करने के लिए पेगासस खरीदा था। फोन टैप करके सत्ता पक्ष, विपक्ष, सेना, न्यायपालिका सब को निशाना बनाया है। ये देशद्रोह है।' उन्होंने आरोप लगाया, 'मोदी सरकार ने देशद्रोह किया है।' इस मामले पर 'पीटीआई-भाषा' ने सरकार की प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किया, लेकिन फिलहाल कोई जवाब नहीं आया है।

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने संवाददाताओंसेकहा , 'इस खबर से वह बात साबित हो गई जो कांग्रेस कहती आ रही थी। मोदी सरकार ने गैरकानूनी और असंवैधानिक तरीके से अपने नागरिकों के खिलाफ इस स्पाईवेयर का उपयोग किया है। इसके लिए सीधे तौर पर प्रधानमंत्री जिम्मेदार हैं। यह प्रजातंत्र का अपहरण और देशद्रोह है।' उन्होंने यह दावा भी किया, 'मोदी सरकार ने संसद को धोखा दिया। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में कहा कि उनके पास इस स्पाईवेयर की खरीद की जानकारी नहीं है। गृह मंत्री और गृह मंत्रालय तथा रक्षा मंत्री और रक्षा मंत्रालय ने संसद के साथ धोखा किया।' उन्होंने आरोप लगाया, 'पेगासस स्पाईवेयर को जनता के पैसे से और प्रधानमंत्री की मंजूरी से खरीदा गया। इस सरकार ने संसद, जनता और उच्चतम न्यायालय को धोखा दिया है।'

सुरजेवाला ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'इस मामले में प्रधानमंत्री की सीधी भूमिका है। हम संसद के भीतर प्रधानमंत्री की जवाबदेही तय करने मांग कर करेंगे। हम भाजपा और उसके नेताओं की जवाबदेही जनता की अदालत में सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। हम यह उच्चतम न्यायालय से आग्रह करते हैं कि वह इसका संज्ञान ले और उचित दंडात्मक अदालती कार्यवाही की शुरूआत करे क्योंकि इस सरकार ने जानबूझ कर सर्वोच्च अदालत को धोखा दिया है।' राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'हमने संसद में पहले भी इस विषय को उठाया था। उस समय सरकार ने जांच की हमारी मांग से इनकार कर दिया था। संसद का सत्र फिर आ रहा है। ये सारी चीजें वहां रखेंगे।' उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं से चर्चा की जाएगी और आगे रणनीति जल्द तय कर ली जाएगी।

खड़गे ने सवाल किया, 'मोदी सरकार ने भारत के शत्रु की तरह काम क्यों किया और भारतीय नागरिकों के खिलाफ ही युद्ध के हथियारों का उपयोग क्यों किया?' उन्होंने कहा, 'पेगासस का उपयोग गैरकानूनी जासूसी के लिए करना देशद्रोह है। कानून से बढ़कर कोई नहीं है। हम सुनिश्चित करेंगे कि न्याय हो।' भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा, 'मोदी सरकार को न्यूयॉर्क टाइम्स के खुलासे को खारिज करना चाहिए। इजरायली कंपनी एनएसओ ने 300 करोड़ रुपये में पेगासस बेचा। प्रथम दृष्टया यह लगता है कि सरकार ने उच्चतम न्यायालय और संसद को गुमराह किया है। क्या यह 'वाटरगेट' है?'

उच्चतम न्यायालय ने इजरायली स्पाईवेयर 'पेगासस' के जरिए भारतीय नागरिकों की कथित जासूसी के मामले की जांच के लिए पिछले साल अक्टूबर में विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया था। कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूहों के एक संगठन ने दावा किया था कि कई भारतीय नेताओं, मंत्रियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, कारोबारियों और पत्रकारों के खिलाफ पेगासस का कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया है।

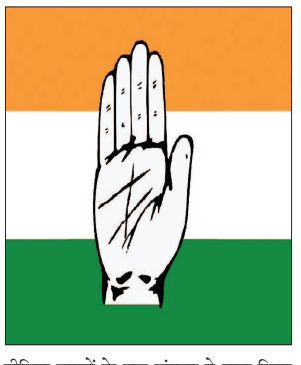

सार समाचार

अमेरिका में ओमिक्रोन का कहर, डेल्टा स्वरूप की तुलना से हो रही हैं अधिक मौतें

वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप की तुलना में ओमीक्रोन स्वरूप से प्रतिदिन अधिक लोगों की मौत हो रही है जबकि अगले कुछ दिन या सप्ताह में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अमेरिका में मृतकों की सात दिन की औसत संख्या में नवंबर के मध्य से वृद्धि देखी जा रही है। बृहस्पतिवार को यह 2,267 तक पहुंच गई और सितंबर में 2,100 के आंकड़े को पार कर गई, जब डेल्टा स्वरूप अपने चरम पर था। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन में जन स्वास्थ्य प्रोफेसर एंड्रयू नोयमर ने कहा, ओमीक्रोन के चलते हमें लाखों लोगों को खोना पड़ सकता है। इस बात पर चर्चा की जानी चाहिए कि हम क्या अलग कर सकते हैं और कितने लोगों के जीवन को बचा सकते हैं। अमेरिका में कोविड-19 की वजह से 8,78,000 लोगों की मौत हो चुकी है और मृतकों की संख्या के मामले में वह शीर्ष पर है।

अमेरिका के अर्कांसस में एक मकान में लगी आग, दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत

हॉट स्प्रिंग्स (अमेरिका)। अमेरिका में मध्य अर्कांसस के एक मकान में आग लग जाने से दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। अर्कांसस राज्य पुलिस ने एक बयान में बताया कि हॉट स्प्रिंग्स के पूर्वोत्तर में पांच किलोमीटर दूर स्थित एक मकान में शुक्रवार पूर्वाह्न 10 बजे से कुछ समय बाद आग लगी। जब तक दमकल कर्मी वहां पहुंचे, तब तक आग पूरे मकान में फैल गई थी। बयान में बताया गया कि आग लगने के कारण दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। राज्य पुलिस और दमकल अधिकारी इस मामले की जांच करेंगे।

जेरूसलम: फिलिस्तीनियों के खिलाफ शहरी नियोजन को बनाया जा रहा है हथियार

लंदन। मेरे बगीचे में एक जैतून पूरी दुनिया की किसी भी चीज से अच्छा है। ये वो दुखभरे अल्फाज हैं, जो महमूद सालहिया की जुबान से उस वक्त निकले, जब शेख जर्राह में उनके घर को हाल ही में इजरायली सेना ने ध्वस्त किया। शेख जर्राह करीब 3000 फलस्तीनियों की बस्ती है, जो रोड 1 के पूर्वी हिस्से में है, जो येरूशलम में उत्तर से दक्षिण की ओर गुजरती है। यह इस्राइली और फलस्तीनी क्षेत्रों को अलग करती है। बस्ती में दो विशिष्ट वर्ग हैं: उत्तर में अमीर फिलिस्तीनियों का निवास है, जबकि दक्षिणी भाग में 1948 से सैकड़ों फिलिस्तीनी शरणार्थियों की गरीब आबादी रहती है। सालिह्या परिवार का घर शेख जर्राह के दक्षिणी क्षेत्र में एक सार्वजनिक भवन के निर्माण के लिए 1980 के दशक में अधिकृत एक पुरानी शहरी योजना द्वारा निर्दिष्ट भूमि पर है। लेकिन घर का कुछ हिस्सा पहले से ही मौजूद था, कुछ अन्य संरचनाओं के साथ, जब योजना तैयार की जा रही थी। वास्तव में, भूखंड पर घर और अन्य इमारतें 1930 के दशक से येरुशलेम के नक्शे पर दिखाई दे रही हैं। महत्वपूर्ण रूप से, येरूसलम नगर पालिका के अनुसार, 1967 से पहले पूर्वी यरुशलम में बने फिलिस्तीनी घरों को कानूनी माना जाता है और इसलिए उन्हें ध्वस्त नहीं किया जा सकता है। लेकिन सालिह्या के भूखंड को सार्वजनिक उपयोग के लिए चिन्हित करना 1967 के बाद से पूर्वी येरूशलम में अपनाई जा रही इजरायली योजना का हिस्सा है। इजराइली अधिकारियों ने तर्क दिया कि इलाके के निवासियों के लिए स्कूल बनाने की खास जरूरत को देखते हुए सालिह्या संपत्ति को जब्त कर लिया गया था। लेकिन इस योजना को बनाते समय परिवार या समुदाय के साथ कोई परामर्श नहीं किया गया था।

यूक्रेन के साथ जंग पर पुतिन ने चुप?पी तोड़ी, अमेरिका- नाटो पर कसा शिकंजा

- रूस ने कहा, किसी देश को दूसरे देश की सुरक्षा को ताक पर रखकर अपनी सुरक्षा को मजबूत नहीं करना चाहिए

मास्को । यूक्रेन सीमा पर 1 लाख सैनिक, मिसाइलें, टैंक और युद्धक वाहन तैनात करने के बाद पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चुप्पी तोड़ी है। पुतिन ने कहा कि अमेरिका और नाटो देशों ने यूक्रेन के साथ चल रहे गतिरोध पर रूस की मुख्य सुरक्षा मांगों का निपटारा नहीं किया है। यूक्रेन संकट शुरू होने के कई सप्ताह बाद पहली बार पुतिन ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां के साथ फोन पर बातचीत के दौरान अपनी अपनी मांग दोहराई। पुतिन का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब रूस की ओर से यूक्रेन की जोरदार घेराबंदी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूर्वी यूरोप में अतिरिक्त सेना को भेजने का ऐलान किया है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने बताया कि पुतिन ने मैक्रां से कहा कि वह अमेरिका और नाटो देशों की ओर से दिए गए जवाब का अध्ययन करेंगे। इसके बाद आगे की कार्रवाई को तय करेंगे। कार्यालय ने कहा कि इस बातचीत के दौरान पुतिन ने यह ध्यान दिलाया कि अमेरिका और नाटो ने अपने जवाब में रूस की मुख्य सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया है। रूस ने नाटो देशों से कहा है कि शीत युद्ध के जमाने के इस संगठन का विस?तार करने से बचा जाए। रूस की सीमा के पास आक्रामक हथियार को तैनात नहीं किया जाए। रूस यह भी गारंटी चाहता है कि यूक्रेन को स्थायी रूप से नाटो का सदस्य बनने से रोक दिया जाए। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि मुख्य सवालों को अनदेखा कर दिया गया। उसने कहा कि किसी देश को दूसरे देश की सुरक्षा को ताक पर रखकर अपनी सुरक्षा को मजबूत नहीं करना चाहिए। अमेरिका और नाटो रूस की मुख्य मांगों पर किसी भी तरह की रियायत को दृढ़ता से खारिज कर चुके हैं। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चेतावनी दी थी कि रूस फरवरी में यूक्रेन पर हमले की योजना बना रहा है। इस बीच नाटो ने भी ऐलान किया है कि कहा कि वह बाल्टिक सागर क्षेत्र में अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा रहा है। अमेरिका ने यूरोप में संभावित तैनाती के लिए 8,500 सैनिकों को अलर्ट रहने का आदेश दिया है। यूक्रेन पर आक्रमण की आशंका के बीच रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि मास्को युद्ध शुरू नहीं करेगा, लेकिन चेतावनी दी कि वह पश्चिमी देशों को उसके सुरक्षा हितों को रौंदने नहीं देगा। विदेश मंत्री लावरोव ने रूसी रेडियो स्टेशन के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि जब तक यह रूसी संघ पर निर्भर है, तब तक युद्ध नहीं होगा, हम युद्ध नहीं चाहते हैं, लेकिन हम अपने हितों को बेरहमी से रौंदने और उनकी उपेक्षा नहीं होने देंगे। रूस ने लगातार इस बात से इनकार किया है कि वह यूक्रेन पर हमले की योजना बना रहा है, लेकिन अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों का मानना है कि रूस युद्ध की ओर बढ़ रहा है तथा इसके लिए तैयारी कर रहा है। रूस ने दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में पैदल सेना और तोपखाना इकाइयों, बाल्टिक सागर क्षेत्र के कलिनिनग्राद में युद्धक विमानों और काला सागर तथा आर्कटिक में दर्जनों युद्धपोतों की तैनाती करते हुए सैन्य अभ्यासों की एक श्रृंखला शुरू की है। रूसी सैनिकों ने संयुक्त अभ्यास के लिए बेलारूस की तरफ कूच किया है, जिससे पश्चिमी देशों की आशंकाएं बढ़ रही हैं कि मास्को उत्तर से यूक्रेन पर हमला कर सकता है।

वियतनाम में 95वे वर्षीय बौद्ध भिक्षु जैन मास्टर की अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

विश्वास और मित्रता के साथ इजराइल-भारत के संबंध हो रहे प्रगाढः जयशंकर और लैपिड

यरुशलम। भारत और इजराइल के विदेश मंत्रियों ने शुक्रवार को इजराइल के एक अखबार के 'ऑप-एड' में लिखा है दोनों देशों के बीच 'मित्रता और विश्वास' न केवल विशिष्टताएं हैं बल्कि 'वास्तविक संपत्ति' भी है। उन्होंने कहा है कि दोनों देशों ने पिछले तीन दशकों से रिश्ते प्रगाढ़ करते हुए सुरक्षा क्षेत्र सहित आम चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में साथ मिलकर काम किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और इजराइल के विदेश मंत्री यायर लैपिड ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 30 साल पूरे होने पर अखबार 'इजराइल हयोम' के लिए एक संयुक्त ऑप-एड 'डीपनिंग रूट्स' लिखा है। भारत ने 17 सितंबर 1950 को इजराइल को मान्यता दी थी लेकिन देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध 29 जनवरी 1992 को स्थापित हुआ। दोनों देशों की संस्कृतियों के बीच काफी समानता का उल्लेख करते हुए 'ऑप एड' में बताया गया है कि भारत में रामायण और महाभारत जैसे महान महाकाव्य और इजराइल में बाइबिल और तल्मूड जैसे ऐतिहासिक ग्रंथ हैं जो न केवल उनके लोगों की कहानी बल्कि लोगों का मार्गदर्शन करने के लिए नैतिकता का रास्ता भी बताते हैं। जयशंकर और लैपिड ने लिखा है, 'ठीक 30 साल पहले जब दोनों देशों के बीच संबंध स्थापित हुए थे तो दोनों पक्षों में उत्सुकता थी, लेकिन परिचित होने की भावना भी थी। हम दो प्राचीन सभ्यताएं हैं। हम दो ऊर्जावान युवा लोकतंत्र भी हैं जो नवाचार के प्रति खुलेपन और अन्य संस्कृतियों के साथ संवाद करने की क्षमता से प्रेरित हैं।' दोनों मंत्रियों ने लिखा है, 'कृषि और पानी से लेकर नवाचार और सुरक्षा तक, दोनों देश ज्ञान, परियोजनाओं और दृष्टि को साझा करते हैं तथा हाल के महीनों में अमेरिका और खाड़ी देशों के साथ एक अद्वितीय राजनयिक संवाद भी साझा किया है।' दोनों नेताओं ने लिखा है कि इजराइल के पहले प्रधानमंत्री डेविड बेन-गुरियन ने अपने शयनकक्ष में महात्मा गांधी की एक तस्वीर लगायी थी।

2017 में भारत के पेगासस खरीदने को लेकर अमेरिका की मीडिया ने किया यह दावा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)

इजराइली स्पाइवेयर पेगासस और एक मिसाइल प्रणाली भारत-इजराइल के बीच 2017 में हुए लगभग दो अरब डॉलर के हथियार एवं खुफिया उपकरण सौदे के केंद्रबिंदु थे। अमेरिका के दैनिक समाचार पत्र ह्यद न्यूयॉर्क टाइम्सह्ल ने अपनी एक खबर में यह दावा किया। पिछले साल उस समय विवाद खड़ा हो गया था, जब भारत सहित कई देशों में पत्रकारों, मानवाधिकार रक्षकों, नेताओं और अन्य लोगों की जासूसी करने के लिए कुछ सरकारों द्वारा कथित तौर पर एनएसओ समूह के पेगासस सॉफ्टवेयर के उपयोग की बात सामने आई थी।

इसके चलते गोपनीयता संबंधी मुद्दों के लेकर चिंताएं पैदा हो गई थीं। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने द बैटल फॉर द वर्ल्ड्स मोस्ट पावरफुल साइबरवेपन शीर्षक वाली एक खबर में कहा कि इजराइली कंपनी एनएसओ ग्रुप लगभग एक दशक से इस दावे के साथ अपने निगरानी सॉफ्टवेयर को दुनिया भर में कानून-प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों को बेचह्लह्ल रहा था कि वह जैसा काम कर सकता है, वैसा कोई और नहीं कर सकता। खबर में जुलाई 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजराइल यात्रा का भी उल्लेख किया गया। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली इजराइल यात्रा थी। खबर में कहा गया है कि भारत-इजराइल के बीच हुए लगभग दो अरब डॉलर के हथियार एवं खुफिया उपकरण सौदे में स्पाइवेयर पेगासस और एक मिसाइल प्रणाली केंद्रबिंदु थे।

वाशिंगटन में यूनियन स्टेशन के बाहर नाजियों का प्रतीक चिह्न बनाए जाने का मामला सामने आया

वाशिंगटन। (एजेंसी)

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में स्थानीय ट्रेनों के स्टेशन यूनियन स्टेशन के बाहर दर्जनों की तादाद में नाजियों का प्रतीक चिह्न स्वास्तिक बनाए जाने का मामला सामने आया है। अंतरराष्ट्रीय यहूदी नरसंहार स्मरण दिवस के एक दिन बाद शुक्रवार को यह मामला सामने आया। स्टेशन की विशाल इमारत के सामने के स्तंभों और स्वचालित सीढ़ियों के प्रवेश द्वार के चारों ओर ये चिह्न बने हुए दिखे हैं। वाशिंगटन के मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग ने इमारत की सुरक्षा की देखरेख करने वाली एमट्रेक पुलिस से इस संबंध में पूछताछ की है।

एसोसिएटिड प्रेस ने एमट्रेक पुलिस से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं हो पाई। हालांकि घटनास्थल पर तैनात सिक्योरिटी गार्ड ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि घटना की जांच जारी है। द ज्यूइश फेडरेशन ऑफ ग्रेटर वाशिंगटन ने इंस्टाग्राम पर एक बयान पोस्ट कर घटना की निंदा की है। भारत समेत दुनिया की कई सभ्यताओं में स्वास्तिक को शुभ माना जाता है।

जर्मनी के तानाशाह रहे अडोल्फ हिटलर ने 1920 में स्वास्तिक को अपनी नेशनल सोशलिस्ट पार्टी का चिह्न बनाया था। हिटलर की क्रूरता एवं नरसंहार के कारण स्वास्तिक को पश्चिम के देशों में नाजीवाद और यहूदी विरोधी चिह्न के तौर पर देखा जाने लगा।

चीन का बड़ा बयान, यूएन को म्यांमार को गृह युद्ध से बचाने की कोशिश करनी चाहिए

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जुन ने शुक्रवार को कहा कि संघर्षग्रस्त म्यांमार में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्राथमिक उद्देश्य उसे और हिंसा तथा गृह युद्ध की स्थिति से बचाना होना चाहिए। म्यांमार में सुरक्षा परिषद के दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के 10 सदस्यीय संघ और संयुक्त राष्ट्र के नए राजदूतों से बंद कमरे में हुई बैठक के बाद झांग जुन ने उम्मीद जतायी कि उनके तथा अन्य लोगों के प्रयासों से 'स्थिति को शांत किया जा सकता है।' गौरतलब है कि करीब एक साल पहले एक फरवरी 2021 को म्यांमा की सेना ने आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार से सत्ता छीन ली थी। 'असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स' द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, इसके बाद देशभर में हुए प्रदर्शनों में सुरक्षाबलों के साथ झड़प में 1,400 से अधिक नागरिक मारे गए।

दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के क्षेत्रीय समूह आसियान ने म्यांमा को संकट से उबारने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाने का प्रस्ताव रखा है। चीन के राजदूत ने कहा कि उनके देश का मानना है कि आसियान को 'महत्वपूर्ण भूमिका' निभानी चाहिए। अक्टूबर में कंबोडिया ने आसियान की अध्यक्षता संभाली और दिसंबर में प्रधानमंत्री हुन सेन ने देश के विदेश मंत्री प्राक सोकखोन को म्यांमा के लिए क्षेत्रीय समूह का दूत नियुक्त किया। हुन सेन सेना के सत्ता छीनने के बाद खुद म्यांमा गए और ऐसा करने वाले वह पहले विदेशी नेता बने। झांग ने शुक्रवार को कहा कि बीजिंग हुन सेन द्वारा किए गए प्रयासों का स्वागत करता है और उन्होंने कंबोडियाई प्रधानमंत्री की यात्रा को 'बहुत अच्छा, बहुत सार्थक' बताया और कहा कि 'हमने उन्हें और प्रयास जारी रखने के लिए कहा है।' चीनी राजदूत ने कहा कि सोकखोन ने शुक्रवार को परिषद को बताया कि सदस्य देशों को म्यांमा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, 'विशिष्ट राजनीतिक संरचना' और उस संरचना में सेना द्वारा निभायी जाने वाली भूमिका को समझना होगा और 'केवल उसी के आधार पर हम कोई समाधान निकाल सकते हैं।' उन्होंने कहा कि चीन नूलीन हेजर को म्यांमा के लिए संयुक्त राष्ट्र का नया विशेष दूत नियुक्त किए जाने का भी स्वागत करता है।

पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान के लिये गेहूं की खेप फरवरी से भेजना शुरू करेगा भारत

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

संकटग्रस्त अफगानिस्तान के लिये पाकिस्तान के रास्ते भारत की तरफ से भेजे जाने वाली गेहूं की खेप की आपूर्ति की शुरूआत अगले महीने से होने की उम्मीद है। मीडिया में शनिवार को आई खबर के मुताबिक भारत और पाकिस्तान ने महीनों की चर्चा के बाद अफगानिस्तान के लिये गेहूं की आपूर्ति के तौर-तरीकों पर सहमति व्यक्त की है। देश में सामने आ रहे मानवीय संकट से निपटने के लिए अफगानिस्तान को भारत अबाधित मानवीय सहायता प्रदान करने की वकालत करता रहा है। वह पाकिस्तान के रास्ते सड़क परिवहन के जरिए 50,000 टन गेहूं और दवाएं अफगानिस्तान भेजने की पहले ही घोषणा कर चुका है।

तालिबान के काबुल पर कब्जे के बाद मानवीय हालात बिगड़ने पर पाकिस्तान ने पिछले साल भारत को अपने भूमि मार्ग का उपयोग करके 50,000 मीट्रिक टन गेहूं अफगानिस्तान भेजने की अनुमति दी थी। कूटनीतिक सूत्रों ने ह्यद एक्सप्रेस ट्रिब्यूनह्ल अखबार को बताया कि गेहूं भेजने का काम फरवरी में शुरू होगा। निर्धारित तौर-तरीकों के अनुसार, भारत को पहली खेप के 30 दिनों के भीतर गेहूं की कुल मात्रा का परिवहन करना है। दोनों देशों ने अपने तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद अफगानिस्तान को लेकर सहयोग करने का फैसला किया है। तौर-तरीकों पर सहमत होने के लिये दोनों पक्षों में कई हफ्तों तक चर्चा हुई। शुरू में, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के झंडे तले अपने ट्रकों में मानवीय सहायता का सामानकाबुल तक पहुंचाना चाहता था।

भारत ने प्रस्ताव रखा कि खाद्यान्न को भारतीय या अफगान ट्रकों में अफगानिस्तान भेजा जाए। बाद में दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि गेहूं अफगान ट्रकों द्वारा ले जाया जाएगा और अफगान ठेकेदारों की एक सूची पाकिस्तान के साथ साझा की गई। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार अहमद ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि अब सभी इंतजाम कर लिए गए हैं और पाकिस्तान पहली खेप की तारीख का इंतजार कर रहा है। भारत ने पिछले साल सात अक्टूबर को पाकिस्तान को एक प्रस्ताव भेजा था जिसमें पाकिस्तानी भूमि के जरिये अफगानिस्तान के लोगों को 50,000 टन गेहूं और जीवन रक्षक दवाएं भेजने के लिए पारगमन सुविधा की मांग की गई थी और 24 नवंबर को इस्लामाबाद से इसका जवाब मिला।

नयी दिल्ली में शुक्रवार को एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के बारे में पूछे जाने पर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि सरकार अफगान लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें खाद्यान्न, कोविडरोधी टीके और आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल गेहूं खरीद और उसके परिवहन की व्यवस्था पर काम चल रहा है और इसमें कुछ समय लगता है।

एक साल पहले आन सांग सू को किया था सत्ता से बेदखल, आज भी अशांत है म्यांमार

बैंकॉक। (एजेंसी)

म्यांमार में एक साल पहले आन सांग सू की को सत्ता से बेदखल करने के सेना के कदम से देश में लोकतंत्र की वापसी की कवायद अप्रत्याशित रूप से न केवल खत्म हो गयी बल्कि इसने जन विद्रोह का एक नया दौर पैदा किया जो कम स्तर पर है लेकिन बरकरार है। म्यांमा सेना के कमांडर सीनियर जनरल मिन आंग हेइंग ने एक फरवरी 2021 की सुबह सू की और उनकी सरकार तथा सत्तारूढ़ 'नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी पार्टी' के शीर्ष सदस्यों को गिरफ्तार करके सत्ता पर कब्जा कर लिया था। सत्ता पर काबिज होने के लिए सेना क बल प्रयोग से संघर्ष बढ़ गया और कुछ विशेषज्ञों ने देश में गृह युद्ध की स्थिति घोषित कर दी।

सुरक्षाबलों ने करीब 1,500 लोगों की हत्या कर दी, करीब 8,800 लोगों को हिरासत में ले लिया, असंख्य लोगों को प्रताड़ित किया और वे लापता हो गए तथा सेना के गांवों में बर्बरता करने के कारण 3,00,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। 'इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप' थिंक टैंक के लिए म्यांमा के मामलों के विश्लेषक थॉमस कीन ने कहा कि सैन्य सरकार पैदा हुए विरोध के स्तर का अनुमान नहीं लगा रही थी। उन्होंने कहा, 'तख्तापलट के पहले कुछ दिनों में उन्होंने ऐसा रुख अपनाने की कोशिश की कि सबकुछ पहले जैसा है।

जनरलों ने इससे इनकार किया कि वे कोई बड़ा बदलाव करने जा रहे हैं बल्कि सिर्फ सू की को सत्ता से हटा रहे हैं और जैसा कि आप जानते हैं कि इन बड़े प्रदर्शनों को क्रूरता से कुचला गया।' जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में एशियाई अध्ययन के वरिष्ठ शोधार्थी डेविड स्टीनबर्ग ने कहा कि लोगों ने सेना के तख्तापलट का इसलिए विरोध किया क्योंकि उन्हें वर्षों के सैन्य शासन के बाद जनता द्वारा निर्वाचित सरकार मिली थी। युवा खतरे के बावजूद प्रदर्शनों के लिए सड़कों पर उतरे क्योंकि उन्हें अपना भविष्य खतरे में दिखा। सत्तारूढ़ जनरलों ने कहा है कि वे संभवतः 2023 तक नया चुनाव कराएंगे। उन्होंने सू की पर कई आपराधिक आरोप लगाए हैं जिससे उनके राजनीतिक जीवन में लौटने के आसार कम होते दिखायी पड़ रहे हैं। 76 वर्षीय सू की को पहले ही छह साल के कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है तथा उन्हें कई और मामलों में भी सजा सुनाई जा सकती है। सेना के तख्तापलट के कुछ दिनों बाद सू की की पार्टी के संसद के निर्वाचित सदस्यों ने विरोध की जमीन तैयार की।

सेना ने उन्हें संसद में जाने से रोक दिया, जिसके बाद उन्होंने अप्रैल में खुद 'नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट' या एनयूजी बनायी और उसे कई नागरिकों का समर्थन मिला। एनयूजी को स्थानीय स्तर पर स्थापित मिलिशिया 'पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज' या पीडीएफ का साथ मिला। सेना ने एनयूजी और पीडीएफ को 'आतंकवादी संगठन' करार दिया। म्यांमा की सेना द्वारा दशकों से शोषण का सामना कर रहे कुछ जातीय अल्पसंख्यक समूहों ने पीडीएफ मिलिशिया आंदोलन को समर्थन दिया, जिसमें हथियार और प्रशिक्षण देना तथा विपक्षी कार्यकर्ताओं को पनाहगाह देना शामिल हैं। एनयूजी का कहना है कि वह सत्ता में आने पर अल्पसंख्यक जातीय समूह

की अधिक स्वायत्ता देने की मांगों को पूरा करेगी। इस बीच, सेना का जातीय समूह कारेन पर दबाव बनाना जारी है जिसमें हवाई हमले करना शामिल है। वहीं, अमेरिका द्वारा सत्तारूढ़ जनरलों पर प्रतिबंध लगाने से उनके लिए मुश्किलें पैदा हुई क्योंकि इससे वित्तीय संकट पैदा हो गया है लेकिन रूस और चीन उनके विश्वस्त सहयोगी हैं और वे उन्हें हथियार बेचना चाहते हैं।

सुविचार फल की अभिलाषा छोड़कर कर्म करने वाला मनुष्य ही मोक्ष प्राप्त करता है। - गीता

संपादकीय

आरक्षण के आंकड़े जरूरी

देश की सर्वोच्च अदालत ने पदोन्नति में आरक्षण के लिए तय मानदंडों में किसी तरह की रियायत देने से मना करते हुए साफ संदेश दे दिया है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने शुक्रवार को साफ कर दिया कि सरकारें पदोन्नति में आरक्षण देते हुए मनमानी नहीं कर सकतीं। सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि एम नागराज (2006) और जरनैल सिंह (2018) मामलों में अदालत ने जो व्यवस्था दी थी, उसी पर वह अभी भी कायम है। पदोन्नति में आरक्षण देने के लिए राज्य सरकारों को दरअसल तथ्य और आंकड़ों के साथ काम करना चाहिए, पर सरकारें ऐसा नहीं कर रही हैं। ऐसा संभव नहीं हो पा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, राज्य मात्रात्मक डाटा जुटाने के लिए बाध्य हैं। मोटे तौर पर आरक्षण के आंकड़े बताने से काम नहीं चलेगा, प्रत्येक पद या श्रेणी के हिसाब से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को देखना होगा। एक तरह से पीठ ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सरकार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के पदों के प्रतिशत का पता लगाने के बाद आरक्षण नीति पर फिर से विचार करने के लिए एक समय-सीमा तय करनी चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए किसी भी सेवा या वर्ग में अपर्याप्त प्रतिनिधित्व की समीक्षा लंबे समय से वांछित रही है। हरेक श्रेणी के पदों में यह देखना जरूरी है कि किस जाति या जनजाति को न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। जिस जाति को प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है, उसके बारे में सर्वोच्च अदालत का रुख भी स्पष्ट है। देश का मानस और विधान भी इसी पक्ष में है कि वंचितों को न केवल आरक्षण, बल्कि पदोन्नति में भी आरक्षण मिलना चाहिए। इसमें कुछ गलत नहीं है। यह बहुत ही अच्छी बात है कि सर्वोच्च अदालत ने अपनी ओर से कोई सीमा तय नहीं की है और हर जगह के लिए एक जैसी सीमा या पैमाना तय करना अनुचित भी है। हरेक राज्य में पिछड़ेपन या पिछड़ों की स्थिति में फर्क है और इस फर्क को देखना सरकारों का काम है। इस फर्क के अनुरूप ही यह देखना है कि कोई भी जाति या जनजाति अवसर से वंचित न रहे। देश के लिए यह समझना भी जरूरी है कि किन-किन जातियों को किन नौकरियों या पदोन्नतियों में सर्वाधिक लाभ मिला है। यह भी स्वागतयोग्य है कि सर्वोच्च अदालत ने समीक्षा या आंकड़े जुटाने के लिए किसी समय-सीमा का निर्धारण नहीं किया है, लेकिन सरकारों को इस काम में पूरी मुस्तैदी से जुट जाना चाहिए। आरक्षण का न्यायपूर्ण होना और दिखना, दोनों जरूरी है। क्रीमी लेयर को देखना भी कहीं न कहीं जरूरी होता जा रहा है। अफसोस! सरकारें अभी क्रीमी लेयर को छेड़ना नहीं चाहतीं और आरक्षण के जरिये समाज में समता पैदा करने की बजाय आरक्षण की राजनीति पर ज्यादा जोर है। देश की आजादी के 75 साल बाद भी वंचित समुदायों को अगड़े वर्गों के समान प्रतिभा के स्तर पर अगर नहीं लाया जा सका है, तो यह सरकारों के स्तर पर बड़ी कमी है। अब समय आ गया है कि आरक्षण और पदोन्नति में आरक्षण के मुद्दे को सियासी नजरिये से नहीं, बल्कि जरूरत के नजरिये से देखते हुए सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाए।

आज के कार्टून

समान न्याय

श्रीराम शर्मा आचार्य/ भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परम्परा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। अगर करता है तो दण्डनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के सन्दर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग परीक्षणों के लिए गुंजाइश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मों के द्वार बन्द हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धान्त में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से दी गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितान्त आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदण्ड से बचने के अनेक हथकण्डे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले यह न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मों के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अगले दिनों वे भी अदृश्य व्यवस्था के आधार पर मिल कर रहेंगे। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मों पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मों की उपलब्धियों से निराश बन सकता है। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलम्बन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गयी है और दुष्कर्मो का प्रायश्चित करके क्षति पूर्ति करने को कहा गया है।

नर से नारायण की यात्रा

- गिरीश्वर मिश्र

स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव भारत की देश-यात्रा का पड़ाव है जो आगे की राह चुनने का अवसर देता है। इस दृष्टि से पंडित दीनदयाल उपाध्याय की चिंतन परक सांस्कृतिक दृष्टि में जो भारत का खांचा था, बड़ा प्रासंगिक है। वह समाजवाद और साम्यवाद से अलग सबकी उन्नति की खोज पर केंद्रित था। वह सर्वोदय के विचार को सामने रखते हैं और सोच की यह प्रतिबद्धता भारतीय राजनैतिक सोच को औपनिवेशक सोच से अलग करती है। वे मनुष्य के समग्र अस्तित्व की उपेक्षा करते हैं। एक व्यापक आधार चुनते हुए वह मानव अस्तित्व के सभी पक्षों अर्थात शरीर और मन के साथ बुद्धि तथा आत्म का भी समावेश करते हैं। इन्हीं के समानांतर धर्म, अर्थ, काम, और मोक्ष के पुरुषार्थों को भी उन्होंने रेखांकित किया। उनका मानना था कि वैयक्तिकता के विरुद्ध जाकर अंतत- साम्यवाद भी व्यक्ति को कुचल देता है। उपाध्याय जी समाज को अनुबंध (कान्ट्रेक्ट) की जगह एक जीवित प्राणवान सत्ता मानते थे जो राष्ट्र की आत्मा के साथ जुड़ी रहती है। इस सामाजिक सत्ता (जीव!) की आवश्यकताएं भी व्यक्ति की आवश्यकताओं की ही तरह होती हैं। आदि शंकर का अद्वैत वेदान्त उन्हें आकर्षक लगा था जो पूरी सृष्टि में विद्यमान मनुष्य समेत सभी तत्वों को जोड़ने का आधार देता है। महात्मा गांधी की तरह वे भारत को अपनी राह खुद बनाने की तजबीज करते हैं। दोनों ही शुद्ध वैयक्तिकता की श्रेष्ठता को नकारते हैं और हानिकर घोषित करते हैं। उन्हें नैतिक-धार्मिक मूल्यों से अनुप्राणित आधुनिकता में ही आगे की राह दिखती है। भारत के लिए लक्ष्य और दिशा के बारे में सोचते हुए वे दोनों के लिए ही राष्ट्रीय अस्मिता को अत्यंत महत्वपूर्ण पाते हैं और कहते हैं कि अस्मिता के अभाव में राष्ट्र रुग्ण हो जाता है। विश्व का आर्थिक-राजनैतिक इतिहास भी यही बताता है। पश्चिम में उभरे समाजवाद, प्रजातंत्र और राष्ट्रवाद जैसे विचारों का मूल्यांकन करते हुए वह इनको अपर्याप्त पाते हैं। राष्ट्रवाद ने राष्ट्र और राज्य की अवधारणाओं को एक दूसरे के निकट पहुंचाया। राष्ट्रवादी विचार विश्व शान्ति को खतरा बना। प्रजातंत्र और पूंजीवाद हाथ मिला कर शोषण में जुट गए और समाजवाद ने पूंजीवाद को विस्थापित कर प्रजातंत्र और व्यक्ति स्वातंत्र्य को प्रश्नांकित किया। कुल मिलाकर पश्चिमी दुनिया में हुए प्रयोग कोई समुचित समाधान नहीं प्रदान करते दिखते। स्वतंत्र भारत में उभरती सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक समस्याओं के बीच जरूरी उत्साह और संतुष्टि की कमी उनको दुखी करती थी। उनका विचार था कि हर देश की सामाजिक-ऐतिहासिक दशाएं भिन्न समाधान की अपेक्षा करती हैं। ज्ञान और विचार तो देश-काल से बाहर आ जा सकते हैं पर मनुष्य की प्रतिक्रियाएं उसके देश-काल से अनिवार्य रूप से अनुबंधित होती हैं। इसलिए आलोचक विवेक के आधार पर ही मार्ग को चुनना होगा। ज्ञान कहीं से उपजा हो उसकी स्वीकार्यता अपने सन्दर्भ में उस ज्ञान की उपयुक्तता की कसौटी पर ही जांची जा सकती है। उपाध्याय जी मानते हैं कि स्वातंत्र्य का आधार संस्कृति में होना चाहिए। ऐसा न होने पर स्वतंत्रता के लिए राजनैतिक आन्दोलन स्वार्थ और सत्तालोभी राजनेताओं द्वारा नष्ट हो जायगा। वह सार्थक तभी होगा यदि वह संस्कृति की अभिव्यक्ति का माध्यम बने। राष्ट्रीय और मानवता दोनों ही दृष्टि से भारतीय दृष्टि के विचार प्रासंगिक है। भारतीय संस्कृति जीवन को समेकित रूप में देखती है। सिर्फ अंश को देखना व्यावहारिक दृष्टि से ठीक नहीं है। पश्चिमी विचार पहले खंड में देखता है फिर जोड़ता है जबकि भारतीय दृष्टि विविधता और बहुलता को देखती है पर उनके बीच कोई एक योजक सूत्र को तलाशती है। विश्व में व्यक्त असंबद्धता या अव्यवस्था में व्यवस्था ढूढ़कर विश्व को नियमित करने वाले सिद्धांत की खोज की जाती है। भारत में सकल या समस्त जीवन में एका देखा गया। उपाध्याय जी बीज का उदाहरण लेकर कहते हैं कि बीज जड़, तने, डाल, पत्ते, फूल और फल में व्यक्त होता है। इन सभी अंशों की विशेषताएं भी भिन्न होती हैं पर उनका मूल बीज से रिश्ता दिखता है और नकारा नहीं जा सकता। विविधता में ऐक्य और उस ऐक्य का विभिन्न रूपों में अनुभव करना भारतीय संस्कृति में एक प्रमुख सरोकार है। यह संस्कृति प्रकृति की उपेक्षा नहीं करती। वह प्रकृति में निहित उन तत्वों को समुन्नत करती है जो ब्रह्मांड में जीवन संभव और समृद्ध करती हैं। वह जीवन विरोधी तत्वों को नष्ट करती है। मनुष्य उन मूल रिश्तों को आगे बढ़ाता है और सहयोग तथा सामंजस्य के साथ सभ्यता का निर्माण करता है। सत्य और अहिंसा जैसे नियमों के बिना समाज चलेगा ही नहीं। ये मूल स्वभाव हैं जो जन्म से होते हैं और जिन्हें धर्म कहा गया। धर्म प्रधान संस्कृति जीवनदायी होती है। उपाध्याय जी का विचार है कि मनुष्य का समग्र अस्तित्व शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा से मिलकर बनता है। पर ये व्यक्ति में समेकित रूप से मौजूद रहते हैं इसलिए इनको अलग-अलग नहीं समझा जा सकता। मनुष्य की प्रगति सर्व-समावेशी होनी चाहिए पर पश्चिम में सिर्फ शरीर पर ध्यान दिया गया जबकि भारत में सब पर। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष सभी परस्पर सम्बंधित और पूरक हैं। इनमें धर्म केंद्र में है। जब राज्य को आर्थिक और राजनैतिक दोनों अधिकार मिल जाते हैं तो धर्म घटता है। स्मरणीय है कि शरीर, बुद्धि, मानस और आत्मा अकेले व्यक्ति के स्तर पर ही नहीं समाज के स्तर पर भी मौजूद होते हैं। पश्चिम में समाज सामाजिक संविदा के तहत व्यक्तियों का सहमति से निर्मित समूह है। इसमें व्यक्ति ही समाज का निर्माता है यह विचार अस्वीकार करते हुए उपाध्याय जी समाज के आत्म और जीवन को व्यक्ति की ही तरह संप्रभु मानते हैं। समूह व्यक्तियों का कोई यादृच्छिक योग न होकर उससे अधिक है। व्यक्ति व्यक्ति के रूप में और समाज के अंश के रूप में समान या भिन्न हो सकता है। व्यक्ति और समाज की सोच में फर्क होता है। यदि कुछ समूह साथ रहें तो उनकी मित्रता समानता का भाव भरती है। परन्तु 'राष्ट्र' कुछ भिन्न है। उनकी दृष्टि में लक्ष्य (आत्मा) और मातृभूमि (शरीर) तत्व प्रमुख हैं। शरीर से आत्मा निकल जाय वह निष्प्राण हो जायगा। समाज का आतंरिक स्वभाव 'चिति' नैसर्गिक है। यह संस्कृति और इतिहास से अलग है और उसी के अनुरूप देश आगे बढ़ता है। चिति के अनुरूप जो होगा वह संस्कृति में जुड़ेगा। चिति देश की आत्मा है। व्यक्ति भी इस चिति का उपकरण है। राष्ट्र की अवयव भूत संस्थाएं भी राष्ट्रीय लक्ष्य पाने के माध्यम हैं। राष्ट्र और राज्य भिन्न हैं। भारत में राज्य को सामाजिक संविदा से पैदा माना गया जबकि पश्चिम में राजा दैवीय था और समाज संविदा पर टिका था। भारत में इसके उलटा सोचा गया। यहाँ समाज स्वतः जन्मा है। व्यक्ति एकल सत्ता न होकर बहुलता वाली सत्ता है और अनेक संस्थाओं का सदस्य होकर व्यक्ति कई तरह की जिन्दगियां जीता है। उसे ऐसे व्यवहार करने चाहिए जो परस्पर विरोधी न होकर पूरक हों। व्यक्ति और समाज की संस्थाओं के बीच संघर्ष नहीं होना चाहिए।

विरोधाभासी नीति से कसमसाती खेती

राजेन्द्र चौधरी

हाल ही में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा परिवर्तित जीन (जीएम) खाद्य सामग्री बाबत जारी नियमन प्रस्ताव देश में जीएम भोजन के आयात की राह खोलने का प्रयास है। देश जब चुनावों और बजट की गहमागहमी में डूबा होगा, तब ये नए नियम लागू हो सकते हैं। एक ओर प्रधानमंत्री देश को प्राकृतिक खेती, जो आत्मनिर्भर जैविक खेती का ही दूसरा नाम है, अपनाने का आह्वान कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी ही सरकार अमेरिका जैसे चंद देशों से, जो जीएम फसलों को बढ़ावा देते हैं, जीएम खाद्य सामग्री के आयात का अब तक बंद रास्ता खोल रही है। क्योंकि भारत और अमेरिका समेत पूरी दुनिया में जैविक खेती में जीएम बीजों के प्रयोग की मनाही है, इसलिए सरकार की ये दोमुंही नीति समझ से परे है। संशोधित जीन खाद्य सामग्री एक असामान्य खाद्य सामग्री है, इसलिए इसके परिणाम घातक हो सकते हैं। इसलिए पूरी दुनिया में ही इसके नियमन की विशिष्ट व्यवस्था बनाई जाती है एवं जैविक खेती में तो इनके प्रयोग का निषेध ही है। इसलिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि इनके दीर्घावधि प्रयोग के प्रभावों के कड़े एवं स्वतंत्र परीक्षणों, तत्पश्चात इन परीक्षणों के पारदर्शी एवं सार्वजनिक मूल्यांकन में सुरक्षित साबित होने के बाद ही संशोधित जीन खाद्य सामग्री के प्रयोग की अनुमति दी जानी चाहिए। यह भी ज़रूरी है कि अनुमति देने के बाद भी ऐसे खाद्य पदार्थों की सतत निगरानी की जानी चाहिए। उपभोक्ता को यह भी बताना सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जो खाद्य सामग्री वह प्रयोग करने जा रहा है उसमें परिवर्तित जीन से उत्पन्न सामग्री का प्रयोग किया गया है। दुर्भाग्य से प्रस्तावित विनियमों में उपरोक्त सभी बिन्दुओं की अनदेखी की गई है। प्रस्तावित विनियमों से ही यह स्पष्ट है कि वर्तमान प्रौद्योगिकी 0.01 प्रतिशत (फार्म 1 कालम 8 का उपखंड 8) तक जीएम सामग्री की उपस्थिति को पकड़ सकती है, परन्तु नियमों में केवल 1 प्रतिशत या अधिक (धारा 7) जीएम सामग्री के उपयोग होने पर ही इस का उल्लेख करना अनिवार्य किया गया है। इसका अर्थ है कि तकनीकी रूप से जिस स्तर तक जीएम सामग्री के प्रयोग की पहचान संभव है, उस से 100 गुना ऐसी सामग्री को नजरंदाज करने की अनुमति देना प्रस्तावित है। इस के अलावा दिक्कत यह है कि अमीर देशों के मुकाबले भारत में अधिकांश खाद्य सामग्री की बिक्री खुले रूप में की जाती है न कि डिब्बा बंद रूप में। इसलिए जीएम सामग्री के उपयोग का उल्लेख करना अनिवार्य होने के बावजूद अधिकांश परिस्थितियों में उपभोक्ता अंधेरे में रह कर जीएम खाद्य सामग्री का प्रयोग करने को अभिशप्त हो जायेंगे। प्रस्तावित फार्म 2 के कालम 6 से स्पष्ट प्रतीत होता है कि जीएम उत्पाद सम्मिलित खाद्य पदार्थों के सुरक्षा परीक्षण करने के अपने कोई स्वतंत्र मापदंड स्थापित नहीं किये गए हैं। इस बाबत अन्य देशों द्वारा लिए गए निर्णयों को मान लिया जाएगा। भारत में खाद्य पदार्थों की बिक्री एवं उपभोग की परिस्थितियां अमीर देशों से बिलकुल अलग हैं, इसलिए हमें अपने स्वतंत्र परीक्षण मापदंड एवं परीक्षण प्रणाली स्थापित करनी चाहिए। अब तक भारत में जीएम बीजों का नियमन दो क्रमबद्ध स्तरों पर होता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत आने वाली जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जीइएसी) से अनुमति मिलने के बाद ही भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा अनुमति का प्रावधान रहा है (हालांकि इस विषय पर कानूनी विवाद है)। अब जब इन दो क्रमबद्ध स्तरों को समानान्तर व्यवस्था में बदला जा रहा है तो यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि जीएम उत्पाद सम्मिलित खाद्य पदार्थों के नियमन की नयी व्यवस्था कम से कम जीईएसी के तहत स्थापित व्यवस्था जितनी कड़ी तो होनी ही चाहिए। बल्कि जीएम उत्पादों के प्रयोग से तैयार खाद्य पदार्थों का नियमन तो जीईएसी की प्रक्रियाओं से भी कड़ा होना चाहिए क्योंकि जीईएसी की प्रक्रियाओं में गहरी खामियां पाई गई हैं, जिसके चलते अधिकांश राज्यों ने अपने यहां नए जीएम प्रौद्योगिकी बीजों इत्यादि की अनुमति नहीं दी है। धारा 4 के उपखंड 9 से स्पष्ट है कि एक बार अनुमति मिलने के बाद जीएम खाद्य सामग्री पर निगरानी का काम खाद्य उद्योग पर ही छोड़ दिया गया है। प्राधिकरण की ओर से अपने स्तर पर इसकी लगातार निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। इसके अलावा निर्णय प्रक्रिया में हितों की टकराहट रोकने की व्यवस्था (जिसमें केवल जीएम के सुरक्षा विशेषज्ञ ही शामिल हों) भी नहीं है। दुर्भाग्य से अब तक प्रस्तावित नियमन केवल हिन्दी एवं अंग्रेज़ी में ही उपलब्ध हैं, जिसके चलते देश की बड़ी आबादी इन पर अपनी विवेकपूर्ण राय देने से वंचित है। वैसे भी प्राधिकरण की ज़िम्मेदारी प्रस्तावित मसविदे को इंटरनेट पर डालने भर से पूरी नहीं हो जाती। प्राधिकरण को इस बाबत जनता को जागरूक करने के सचेत प्रयास करने चाहिए। देश के विभिन्न इलाकों में जन सुनवाई भी आयोजित की जानी चाहिए। इसके बाद ही जीएम खाद्य पदार्थों को अनुमति देने पर निर्णय होना चाहिए।

सू-दोकू नवताल -2032

			1	5	7			
	7	2		6		9	8	
		5				6		
8			2		9			4
		4				1		
5			8		4			7
		6				8		
	1	7		4		5	3	
2	4	8	3	9	5			

सू-दोकू -2031 का हल

9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2032

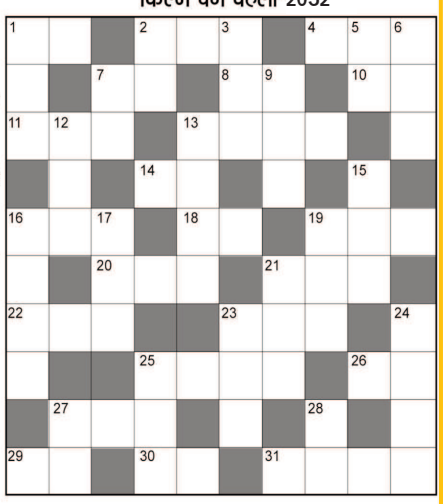

बायें से दायें:-

1. अजय देवगन, आयशा टकिया की 'प्यार तो होना ही है' गीत वाली फिल्म-2
2. 'मैं ने तेरे लिए ही सात रंग के' गीत वाली की फिल्म-3
4. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-3
7. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली अजय देवगन, ट्विंकल की फिल्म-2
8. डिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-2
10. संजीव कुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-2
11. संजय दत्त, अभिनीत 'देखो देखो दिल ये बोले' गीत वाली फिल्म -3
13. अमिताभ, अनिल कपूर, प्रीति, ग्रेसी सिंह की फिल्म-4
14. विकास भल्ला, सुमित सहगल, नीलम की 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली फिल्म-2
16. बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-3
18. 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीत वाली फिल्म-2
19. जीतेंद्र,श्रीदेवी,जयाप्रदा की फिल्म-3
20. 'ओ रब्बा कोई तो बताये' गीतवाली फिल्म-3
21. इमरान हाशमी, उदिता गोस्वामी, शमिता शेट्टी की फिल्म-3
22. अजीत, शकीला की 'मुक्त हुए बदनाम हाये किसी से दिल को लगाके' गीत वाली फिल्म-3
23. 'इधर आ सितमगर' गीत वाली संजीव कुमार, शशि कपूर, वहीदा, पूनम ढिल्लो की फिल्म-3
25. फिल्म 'मदर इंडिया' के निर्देशक-4
26. 'दिलबरा दिलबरा' गीत वाली उदय चोपड़ा, ऐशा देओल, की फिल्म-2
27. राजकपूर, मीनाकुमारी की फिल्म-3
29. 'अकेले ही अकेले चला है कहां' गीत वाली दिलीप कुमार, सायरा बानो की फिल्म-2
30. अमिताभ बच्चन, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूं' गीत वाली फिल्म-2
31. बॉबी देओल, ट्विंकल की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'चल अकेला चल अकेला' गीत वाली फिल्म-3
2. अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, रवीना, लारा दत्ता की 'जुगनू की पायल' गीत वाली फिल्म-2
3. 'तेरी आंखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
5. अर्जुन रामपाल, अमीषा पटेल की 'मौला जिंदगी को संवार दे मौला' गीत वाली फिल्म-2
6. 'मेहंदी लाया साजन मेरा' गीत वाली किरण जंजानी, गणेश यादव, राजन कपूर, प्रीति झींगियानी, ईशा कोप्पिकर, तारा की फिल्म-3
7. सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
9. 'किस को कहें हम अपना' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लो, रंजीता की फिल्म-3
12. फिल्म 'महानता' में संजय दत्त की नायिका-3
13. 'हमका ऐसा वैसा ना समझो, हम बड़े काम की चीज' गीतवाली अमिताभ, वहीदा की फिल्म-4
15. अमिताभ, संजय दत्त, की 'आ नजर में तुझको मैं भर लूं' गीत वाली फिल्म -3
16. देव आनंद, जीनत अमान की फिल्म-4
17. शम्मी कपूर, नूतन की 'चोरी चोरी एक इशारा हो गया' गीत वाली फिल्म-3
19. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
21. जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की 'आजा मेरी जान ये है जून का महीना' गीत वाली फिल्म-3
23. नवीन निश्चल, विनोद मेहरा की फिल्म-3
24. 'होठों से छू लो तुम, मेरा गीत अमर कर दो' गीत वाली फिल्म-4
25. 'जो थोड़ी देर के लिए' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
27. सुनील दत्त, संजीव कुमार, जीनत अमान, रीना राय की 'बोले सजना मुझे छोड़के' गीत वाली फिल्म-2
28. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2031

वि	वे	क		भू	ल	भु	लै	या
	ल		जी	त			ला	रा
शं	क	रा			रे	ड		ना	म
	म	ज	बू	र		र	न		म
अ		पू		ह	त्या		वी	र	ता
स	पू	त		मा		जी	न	त	
रा	जा		आ	न		वा		न	क्षा
नी		आ	शा		गो		शे		
	डो		ज्यो	ति		ज्वा	र	भा	टा
वी	र	रा	ति		मे	ला		भी	

30 जनवरी शहीद दिवस :

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

30 जनवरी महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के रूप में मनाया जाता है। हर साल इस मौके पर महात्मा गांधी के साथ-साथ देश के लिए अपना बलिदान देने वाले अन्य शहीदों को भी याद किया जाता है।

1948 में जब नाथूराम गोडसे द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या की गई, उन लम्हों की एकमात्र गूंज इतिहास में आज भी सुनाई देती है, जो कहती है... हे राम। यही वे आखिरी शब्द थे, जब गोली लगने के संसाद से अंतिम विदाई के पहले गांधी जी के मुख से निकले थे। उस वक्त शाम के 5.17 बज रहे थे, जब सफेद धोती पहने गांधीजी पर तीन बार गोलियां दागी गईं। गोडसे ने बापू के साथ खड़ी महिला को हटाया और अपनी सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल से एक बाद के एक तीन गोली मारकर उनकी हत्या कर दी।

आश्चर्य यह था कि इस बात का एहसास भी आसपास के लोगों को नहीं था। उन्हें गोली लगने का पता तब चला, जब उनकी सफेद धोती पर खून के धब्बे नजर आने लगे।

पहली गोली- बापू के शरीर के दो हिस्सों को जोडने वाली मध्य रेखा से साढ़े तीन इंच दाईं तरफ व नाभि से ढाई इंच ऊपर पेट में घुसी और पीठ को चीरते हुए निकल गई। गोली लगते ही बापू का कदम बढ़ाने को उठा पैर थम गया, लेकिन वे खड़े रहे।

दूसरी गोली- उसी रेखा से एक इंच दाईं तरफ पसलियों के बीच होकर घुसी और पीठ को चीरते हुए निकल गई। गोली लगते ही बापू का सफेद वस्त्र रक्तरंजित हो गया। उनका चेहरा सफेद पड़ गया और वंदन के लिए जुड़े हाथ अलग हो गए। क्षण भर वे अपनी सहयोगी आभा के कंधे पर अटके रहे। उनके मुंह से शब्द निकला हे राम।

तीसरी गोली- सीने में दाईं तरफ मध्य रेखा से चार इंच दाईं ओर लगी और फेफड़े में जा घुसी। आभा और मनु ने गांधीजी का सिर अपने हाथ पर टिकाया। इस गोली के चलते ही बापू का शरीर ढेर होकर धरती पर गिर गया, चश्मा निकल गया और पैर से चप्पल भी।

कई लोग उस वक्त यह जान ही नहीं पाए कि हुआ क्या, लेकिन जब देखा, खून से लतपत बापू जमीन पर पड़े हैं, तो आंसुओं की मानो बाढ़ आ गई।

आंधी आंखें खुली हुई थीं उन्हें बिरला भवन स्थित उनके खंड में ले जाया गया। आंखें आधी खुली हुई थीं। लग रहा था शरीर में अभी जान बची है। कुछ देर पहले ही बापू के पास से उठ कर गए सरदार पटेल तुरंत वापस आए। उन्होंने बापू की नाड़ी देखी। उन्हें लगा कि नाड़ी मंद गति से चल रही है। इसी बीच वहां हाजिर डॉ. द्वारकाप्रसाद भार्गव पहुंचे।

गोली लगने के दस मिनट बाद पहुंचे डॉ. भार्गव ने कहा, 'बापू को छोड़ कर गए दस मिनट हो चुके हैं।' कुछ देर बाद डॉ. जीवराज मेहता आए और उन्होंने बापू की मृत्यु की पुष्टि की। इसके बाद गोडसे को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रसिद्ध पत्रकार कुलदीप नायर ने उस दिन को याद करते बताते हैं, मैं उस वक्त उर्दू अखबार 'अंजाम' के लिए काम कर रहा था। मैंने न्यूज एजेंसी के टिकर पर चेतावनी सुनी। मैं भागते हुए टेलीप्रिंटर के पास पहुंचा और मैंने अविश्वसीनय शब्द 'गांधी को गोली लगी' पढ़े।

उन्होंने कहा, मैं कुर्सी पर गिर पड़ा, लेकिन होश सम्भालते हुए बिरला हाउस की तरफ भागा। वहां कोलाहल मचा हुआ था। गांधी सफेद कपड़े पर लेटे थे और हर कोई रो रहा था। जवाहर लाल नेहरू बिल्कुल स्तब्ध और दुखी नजर आ रहे थे।

दिल्ली के '5, तीस जनवरी मार्ग' पर 30 जनवरी 1948 को उनकी हत्या उस वक्त की गई, जब वे शाम की प्रार्थना के लिए जा रहे थे। यह वही जगह थी जहां महात्मा गांधी ने अपनी जिंदगी के अंतिम 144 दिन बिताए थे और जीवन के अंतिम पल भी।

वर्तमान में यातायात के हल्के शोर के बावजूद भी इस स्थान पर आज भी शांति भंग नहीं हुई है। इस मार्ग पर, जहां से गांधी जी गुजरे, संगमंगमर से उनके पदचिन्ह बना दिए गए, जिस पर लिखा है हे राम। लेकिन महात्मा गांधी का जीवन उस इंसान जैसा साबित हुआ, जो पेड़ तो लगाता है, लेकिन उसकी छांव और फल की अपेक्षा नहीं करता। गांधीजी ने अपने जीवन के 12 हजार 75 दिन स्वतंत्रता संग्राम में लगाए, परंतु उन्हें आजादी का सुकून मात्र 168 दिनों का ही मिला।

महात्मा गांधी पुण्यतिथि !

गांधी को पुनर्जीवित करना होगा

गांधी इस पूरी धरती का स्वाभिमान थे। वे सेवा की साधना थे। वे ईश्वर, देवता, अवतार, संत कुछ नहीं थे। वे तो इंसान और इंसानियत के नए संस्करण थे। उन्होंने शस्त्र की ताकत को सत्य की ताकत के सामने झुका दिया।

महात्मा गांधी को लेकर सवाल यह है कि गांधी किस हद तक संतत्व से एक विनम्र और चेतनाशील फकीर के रूप में संचालित थे, जो बिना संत हुए भी चटाई पर बैठकर प्रार्थना गाते-गाते दुनिया के सबसे बड़े, तगड़े और ताकतवर साम्राज्य को अपनी आत्मा की ताकत से हिला रहे थे।

गांधी ने साम्राज्य को आत्मा की ताकत से हिलाया, प्रार्थना से हिलाया, सामान्य मनुष्य की तरह जी कर और अपना काम करते हुए बिना संतत्व का बाना पहने, बिना अवतार, पीर, पैगंबर कहलाए, बिना किसी धर्म, मजहब या रिलीजन को छोटा या बड़ा बताए।

गांधी को समझा नहीं गया, इसलिए गांधी को माना नहीं, गांधी को माना नहीं गया इसलिए गांधी को मार डाला गया। सच पूछा जाए तो हमने हत्या गांधी की नहीं की, बल्कि एक प्रकार से आत्महत्या की। गांधी को मारकर राजनीति से हमने नीति को मार डाला, धर्म से धर्म के आदर्श की हत्या कर दी।

चरखे से उसका कर्म और हाथों से पैदा होता स्वाभिमान छीन लिया और इंजीनियरिंग कॉलेजों, मैनेजमेंट संस्थानों, चिकित्सा महाविद्यालयों, स्कूलों, कॉलेजों सब जगह बेकारों की ऐसी भीड़ खड़ी कर दी, जिसके पास काम नहीं, जिसके पास स्वावलंबन नहीं। इसलिए देश में एक स्वाभिमानी पीढ़ी बनने से वंचित होती जा रही है। गांधी ने नारी को देवी बनाने के बजाए सहकर्मिणी बनाया। गांधी ने शिक्षा में सरस्वती पूजन के लिए मूर्ति या फोटो नहीं लगाया बल्कि ज्ञान की सरस्वती का अध्ययन और कर्म से पूजन करना सिखाया।

गांधी गीता, बाइबिल, कुरान पढ़ते ही नहीं थे बल्कि उनके रास्ते पर चलते भी थे। उन्होंने पराई पीर को जानने और दूर करने का धर्म अपनाया था और दुनिया में कोई देश, धर्म या समाज नहीं, जिसकी पीड़ा न हो।

गांधी चेतना का चिंतन थे और चिंतन की चिंता थे। वे मानते थे कि जिस देश या समाज के पास चिंतन और चेतना नहीं, वह ज्ञान और सेवा का देश या समाज नहीं बन सकता। गांधी में अनेक महान आत्माएं एकाकार होती थीं। उनमें महर्षि अरविंद का मानस था, रामकृष्ण परमहंस-सी भक्ति, विवेकानंद-सा देशप्रेम, रामतीर्थ-सी मेधा, क्रांतिकारियों के जैसा साहस और राममोहन राय, गोखले, तिलक जैसी ज्ञान के प्रति आस्था। इन सबका समन्वय थे गाँधी। इसलिए गांधी प्रकृति भी थे, पुरुष भी, नैतिक भी थे और नेतृत्व में नीतिवान भी। संयम उनकी साधना थी, नियम उनकी नैतिकता थी और यम उनका लोक व्यवहार था।

गांधी एक लोकसत्ता हैं। यदि गांधी की लोकसत्ता सुरक्षित रखनी है तो गांधी को कम्प्यूटर की किसी वेबसाइट या इंटरनेट की खिड़की में बंद करने के बजाए मैदान में उतारना होगा। ईसा जिस तरह से पुनर्जीवित हो उठे थे, उसी तरह हमें अपनी चेतना में गांधी को भी पुनर्जीवित करना होगा।

शस्त्र और शास्त्र में कितना अंतर है? दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र ने सबसे शक्तिशाली शस्त्र बनाए मगर ग्यारह सितंबर की सुबह शस्त्र और शक्ति के दुर्ग भेद दिए गए। जिस अमेरिका का नाम लेकर दुनिया के कई मुल्क थर्राते थे, वह स्वयं थर्रा उठा। पता नहीं शस्त्रों की होड़ और मजहबी नफरतों की दौड़ में शामिल अब भी शस्त्र और संत में फर्क करेगी या नहीं, बंदगी और जिंदगी को एक मानेगी या नहीं, सेवा और साधना को एक समझेगी या नहीं।

संत का अंत नहीं होता बल्कि संत देहमुक्त होकर अनंत हो जाता है। आज आदमी, आदमी के बीच नफरत, जाति-जाति के बीच दुश्मनी और घृणा तथा मुल्क-मुल्क के बीच आतंक, तनाव और एक-दूसरे को मिटा देने की कट्टरता व्याप्त है।

आखिर इतने सारे धर्म, मजहब पालने वाले दुनिया की छः अरब आबादी के लोगों ने अपने संतों से क्या पाया, क्या सीखा और क्या समझा?

बीसवीं सदी के महान उपन्यासकार जॉर्ज ऑरवेल ने अपने एक निबंध, 'गांधी: कुछ विचार' में कहा है- 'संतों को हमेशा ही तब तक दोषी मानना चाहिए, जब तक वे अपने को दोषरहित साबित न कर दें, लेकिन इसके लिए जो परीक्षण अपनाए जाएं, वे सभी के लिए समान नहीं होते हैं।

रंग भरो

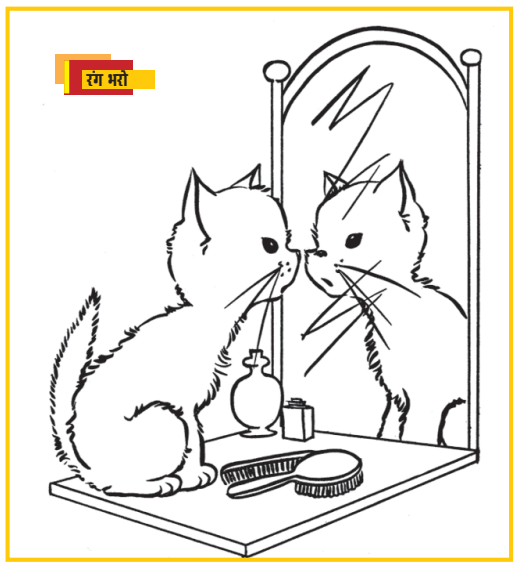

ये खेलोगे तो... दिमाग और तेज दौड़ेगा

बिंदु मिलाओ

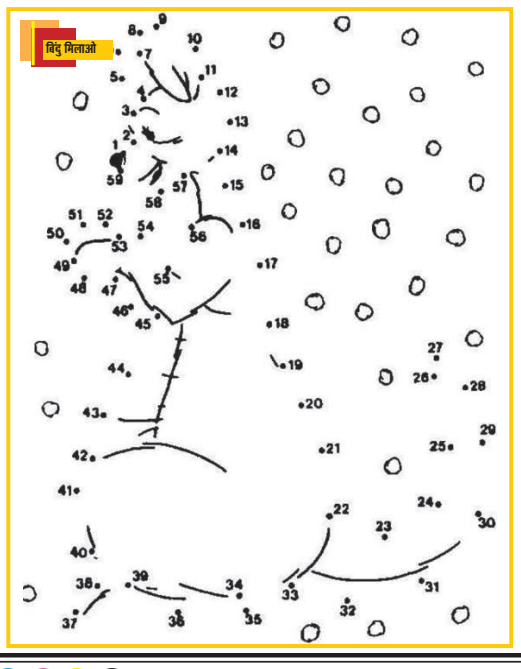

मन से पढ़ाई करो। ध्यान से खेलो। क्या तुम्हें भी तुम्हारी टीचर या पापा-मम्मी बात-बात पर ये कहते हैं और तुम्हें लगता है कि तुम तो ध्यान लगाकर ही काम कर रहे हो। यह एक सच्चाई है कि कुछ बच्चों को शुरुआत में किसी चीज पर ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है। आज के समय में यह बड़ी कॉमन प्रॉब्लम है। अगर तुम्हें लगता है कि तुम्हें, तुम्हारे भाई-बहन या किसी दोस्त को ध्यान लगाकर कोई काम करने में परेशानी होती है तो क्यों न कुछ मजेदार खेल खेला जाए। इससे तुम पहले से कहीं बेहतर तरीके से ध्यान भी केंद्रित कर पाओगे और साथ ही साथ मौज-मस्ती भी हो जाएगी। तुम ये खेल अपने स्टडी रूम से लेकर स्कूल जाने के दौरान बस में, कहीं भी खेल सकते हो और हां! इनकी मदद से तुम और स्मार्ट भी बन जाओगे।

मिसिंग नंबर्स

यह उनके लिए अच्छा है, जिन्हें गिनती आती है। मान लो, तुम अपनी याददाश्त बनाने के लिए यह गेम खेलना चाहते हो, तो अपने घर के किसी सदस्य या दोस्त को कहो कि वह 1 से 20 तक गिनती करे और बीच-बीच में कोई अंक छोड़ता रहे। जैसे ही वह कोई अंक नहीं बोलता है, तुम तुरंत वह अंक बता दो। अगर यह गेम थोड़ा बड़ा बच्चा खेल रहा है तो सिंपल एक, दो, तीन की काउंटिंग की जगह नंबर्स के मल्टिपल्स जैसे तीन, छह, नौ, बारह बोलकर यह गेम खेल सकते हो। यह गेम सिर्फ तुम्हारे लिए ही नहीं है, तुम्हारे पेरेंट्स भी चाहें तो यह गेम खेल सकते हैं और यह उनके लिए भी काफी चेलेंजिंग हो सकता है।

अपोजिट्स

यह तुम जैसे छोटे बच्चों के लिए बहुत अच्छा है। अगर तुम अपने भाई-बहन के साथ यह गेम खेल रहे हो तो उसके सामने कोई शब्द बोलो और उसे उस शब्द का अपोजिट बताने के लिए कहो। पर यह खेल खेलते हुए इस बात का ध्यान रखो कि जिस एज-ग्रुप के बच्चों के साथ यह गेम खेल रहे हो, उसे ऐसे शब्दों का विपरीत शब्द बताने के लिए कहो, जिसे वह समझ सके।

टंग ट्विस्टर

तुम अपने लिए एक अच्छा-सा टंग ट्विस्टर चुन लो और उसे सही तरीके से बोलने की प्रैक्टिस करो। इससे किसी एक चीज पर तुम ध्यान केंद्रित कर पाओगे।

कुछ दिलचस्प टंग ट्विस्टर्स

चंदू के चाचा ने चंदू की चाची को चांदनी रात में चटनी चटाई

कच्चा पापड़, पक्का पापड़
पीला पपीता, पका पपीता
हरा पपीता, कच्चा पपीता

ये सभी फन गेम हैं। अगर तुम सीरियसली इन्हें खेलने लगोगे तो इसका असर भी अधिक होगा और मजा भी आएगा। यह तुम्हारा प्ले टाइम है और उसका भरपूर मजा उठाओ और साथ में अपनी याददाश्त भी बढ़ाओ।

अर्थव्यवस्था को अभी मजबूती की जरूरत

मुंबई । अमेरिकी ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने चेतावनी दी है कि वित्तीय सुदृढ़ीकरण की दिशा में कोई भी अचानक और तेज कदम भारतीय अर्थव्यवस्था में शुरुआती और असमान पुनरुद्धार को थाम सकता है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि बजट में समग्र मांग, खासतौर से ग्रामीण खपत बढ़ाने पर जोर देना चाहिए और बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करना चाहिए। गोल्डमैन सैक्स ने बजट पूर्व टिप्पणी में कहा कि महामारी की एक के बाद एक आई लहरों ने मध्यम अवधि में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मुकाबले सरकारी कर्ज को कम करना मुश्किल कर दिया है। रिपोर्ट में राजकोषीय घाटे में लगातार कमी करने का सुझाव दिया गया है और इसे वित्त वर्ष 2022-23 में 0.5 प्रतिशत घटाने और क्रमिक रूप से घटाकर वित्त वर्ष 2025-26 तक 4.5 प्रतिशत तक लाने की बात कही गई है। ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि भले ही कोविड महामारी से संबंधित खर्चों के लिए आवंटन कम हो जाएगा, लेकिन सरकार को कल्याणकारी खर्च जारी रखना होगा और साथ ही पूंजीगत व्यय में 12 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है।

82845 करोड़ों रुपए के 38 एनपीए खातों को बैड बैंक में बेचेंगी बैंकें

30 से 40 फ़ीसदी में बैड बैंक को बेच देंगे खाते

नई दिल्ली । स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के चेयरमैन दिनेश खारा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बैंकों ने 38 एनपीए खाते में फंसी 82845 करोड के बैंक खाते बैड बैंक को ट्रांसफर करने के लिए चयन किया है नेशनल असेट्स रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड एनएआरसीएल और इंडिया डेट रिजाल्यूशन कंपनी आईडीआरसीएल को लेकर केंद्र से मंजूरी मिल गई है एनपीए अकाउंट को खरीद कर यूरोप और अमेरिका की तरह 30 से 40 फ़ीसदी राशी लेकर संबंधित बैंक यह एनपीए अकाउंट बेच देंगे इसमें बैंकों को हजारों करोड़ों रुपए का नुकसान होगा वही जो बैंक इन एनपीए अकाउंट को खरीदेगा वह अपने स्तर पर एनपीए के खाताधारकों से समझौता करेगा और संबंधित बैंक को एकमुश्त राशि देगा मात्र 38 खातों की यह भारी-भरकम राशि के बैंक अकाउंट बेचकर संबंधित बैंक अपने एनपीए को कम करेंगे वही बैंक को जो घाटा होगा वह बैंक के खातों मे बैंक के मुनाफे को कम करेगा भारत में बेड बैंक की शुरुआत वित्त वर्ष 2021 22 के लिए आम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की थी 9 महीने में 82845 करोड़ों रुपए के बैंक ऋण इस तरह से एनपीए अकाउंट से बाहर निकालने का नया चलन अब भारत में भी शुरू हो गया है।

आम बजट में वृद्धि को बढ़ावा देने पर दिया जा सकता है जोरः रिपोर्ट

कोलकाता । बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने अपनी ताजा आर्थिक शोध रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के आम बजट में वृद्धि को बढ़ावा देना, राजकोषीय मजबूती हासिल करने और खपत को बढ़ाने पर जोर होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि बजट में कर रियायतों में कुछ बदलाव हो सकता है, जबकि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के तहत निवेश बढ़ाने के लिए अधिक आवंटन किया जा सकता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक बांड बाजार में उतार-चढ़ाव से बचने के लिए सकल उधारी को 12,000-13,000 अरब रुपए की सीमा में बनाए रखा जाएगा। इस तरह वित्त वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटा 6-6.25 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। बीओबी की शोध रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ केंद्र का शुद्ध राजस्व 12.2 प्रतिशत और खर्च 4.5 प्रतिशत बढ़ सकता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगले वित्त वर्ष में अपेक्षित विनिवेश आय लगभग 750 अरब रुपए हो सकती है।

महाराजा का चेहरा चमकाने में टाटा को खर्च करना होंगे 37,500 करोड़

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप के पास आते ही एयर इंडिया में कई बदलाव दिखने शुरू हो गए हैं। जानकारों का कहना है कि महाराजा का चेहरा चमकाने के लिए टाटा ग्रुप को अगले पांच साल में एयर इंडिया पर करीब पांच अरब डॉलर यानी 37,500 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे। उनका कहना है कि एयर इंडिया को मुनाफे में लाने के लिए टाटा ग्रुप को अपनी तीनों एयरलाइन कंपनियों को मिलाकर एक करना होगा, टिकट की कीमत में कम से कम 15 फीसदी इजाफा करना होगा। नुकसान में चल रहे रूट्स बंद करने होंगे, पुराने विमानों को टाटा कहना होगा और इंटरनैशनल प्रोडक्ट्स पर फोकस करना होगा। इंजीनियरिंग कॉन्ट्रैक्ट्स पर नए सिरे से काम करना और कर्मचारियों की छंटनी करना बड़ी चुनौती होगी। सरकार के साथ डील के मुताबिक एयर इंडिया के कर्मचारियों को एक साल तक बनाए रखना होगा। अगर उनके बाद इन्हें निकाला जाता है तो इसके लिए एक वॉलंटरी रिटायरमेंट स्कीम लानी होगी। कंपनी के एक जानकार ने कहा कि टाटा को ग्लोबल एविएशन मार्केट से एक अच्छा सीईओ लाना होगा। उसे कमा से कम 4-5 साल तक रहना होगा और कंपनी की परेशानियों को दूर करना होगा। टाटा को बोइंग 777 विमानों से पिंड छुड़ा लेना चाहिए क्योंकि वे ग्लोबल स्टैंडर्ड के मुताबिक नहीं हैं। ग्लोबल प्रोडक्ट बनाने के लिए एयरलाइन को चौड़ी बॉडी वाले विमानों की जरूरत है। मौजूदा विमानों को नए सिरे से तैयार करने में काफी खर्च आएगा।

एक फरवरी से बैंकिंग से जुड़े नियमों में होंगे बदलाव

नई दिल्ली । एक फरवरी को वित्त तमंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी। इससे जहां देश की अर्थव्यवस्था में बदलाव होगा वहीं यह आम लोगों की जिंदगी को भी प्रभावित करेगा। इसके साथ ही एक फरवरी से कुछ बैंक भी अपने नियमों में बदलाव करेंगे। एसबीआई बैंक भी पैसा ट्रांसफर करने के नियमों में बदलाव एक फरवरी से करेगा। बैंक 2 लाख रुपए से 5 लाख रुपए के बीच आईएमपीएस के जरिये पैसा ट्रांसफर करने पर 20 रुपए से अधिक जीएसटी चार्ज वसूलेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने आईएमपीएस के जरिए होने वाले ट्रांजेक्शन की लिमिट भी एक दिन में 2 लाख रुपए के बजाय 5 लाख रुपए कर दी है। बैंक ऑफ बड़ौदा भी 1 फरवरी से चेक पेमेंट के लिए ग्राहकों को पॉजिटिव पे सिस्टम फॉलो करना होगा। यानी चेक से जुड़ी जानकारी भेजनी होगी तभी चेक क्लीयर होगा। ये बदलाव 10 लाख रुपए से ऊपर के चेक क्लीयरेंस के लिए हैं। वहीं पंजाब नेशनल बैंक आपके पैसे न होने के कारण यदि किस्त या निवेश फेल हो जाती है तो आपको 250 रुपए का जुर्माना चुकाना पड़ेगा।अभी तक ये 100 रुपए था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 634.287 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 67.8 करोड़ डॉलर घटकर 634.287 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 14 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.229 अरब डॉलर बढ़कर 634.965 अरब डॉलर हो गया था। जबकि तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में यह रिकार्ड 642.453 के उच्च स्तर पर रहा था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 21 जनवरी को समाप्त समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आने की वजह कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में गिरावट आना है। इस सप्ताह में एफसीए 1.155 अरब डॉलर घटकर 569.582 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्रा के घट-बढ़ को भी शामिल किया जाता है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 56.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.337 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार 6.8 करोड़ डॉलर घटकर 19.152 अरब डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में देश का मुद्रा भंडार भी 2.2 करोड़ डॉलर घटकर 5.216 अरब डॉलर रह गया।

टाटा नेक्सॉन भी सीएनजी किट के साथ उतरेगी बाजार में

-फ्यूचर में भी कई सीएनजी मॉडल लॉन्च कर सकती है कंपनी

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स फ्यूचर में भी कई सीएनजी मॉडल लॉन्च कर सकती है।टिआगो और टिगोर के बाद कंपनी अपनी बेहद पॉप्युलर कार टाटा नेक्सॉन को भी सीएनजी किट के साथ बाजार में उतार सकती है। यह सीएनजी किट कंपनी इस कार के पेट्रोल ऑटोमेटिक और टर्बो पेट्रोल वेरियंट्स के साथ दे सकती है। इसके अलावा 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5 लीटर डीजल इंजन मॉडल में भी कंपनी फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट दे सकती है।

हालांकि इस बारे में अभी तक कोई ऑफिशल जानकारी सामने नहीं आई है। खबर यह भी है कंपनी टाटा पंच को भी सीएनजी के साथ लॉन्च कर सकती है। यह कार कुछ वक्त पहले ही भारतीय बाजार में लॉन्च हुई है और काफी पॉप्युलर हो चुकी है लिहाजा सीएनजी वेरियंट लॉन्च होने के बाद ग्राहकों के पास इसे खरीदने का एक और विकल्प भी होगा। बता दें कि इन अपकमिक सीएनजी मॉडल्स के लॉन्च टाइम बारे में कंपनी की ओर से अभी तक कोई ऑफिशल जानकारी नहीं दी गई है पर माना जा रहा है कि कंपनी साल 2023 की शुरुआत में इन्हें लॉन्च कर सकती है। टाटा मोटर्स ने हाल ही में आई-सीएनजी पावर्ड टाटा टिआगो और टाटा टिगोर कॉम्पैक्ट सिडैन भारत में लॉन्च की थी। इसमें से टिआगो को 6.09 लाख रुपये की कीमत के साथ लॉन्च किया गया है वहीं टिगोर की शुरुआती कीमत 7.69 लाख रुपये है। कंपनी ने सीएनजी मॉडल को रेग्युलर मॉडल की तुलना में लगभग 90,000 रुपये महंगी कीमत के साथ लॉन्च किया है।

लागत बढ़ने और कम बिक्री से ट्रैक्टर निर्माताओं के परिचालन लाभ में आएगी कमी

मुंबईः

चालू वित्त वर्ष में ट्रैक्टर निर्माताओं का परिचालन लाभ 300-400 आधार अंकों तक सिकुड़ने वाला है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने शुक्रवार को कहा कि इस गिरावट का कारण कच्चे माल, मुख्य रूप से इस्पात की कीमतें बढ़ने के साथ बिक्री की मात्रा में आई कमी है। क्रिसिल ने यह उम्मीद भी जताई है कि घरेलू ट्रैक्टर बिक्री की मात्रा 2021-22 में चार-छह प्रतिशत घट जाएगी, जबकि अप्रैल-दिसंबर 2021 में मात्रात्मक वृद्धि 0.7 प्रतिशत तक कम हो जाएगी। क्रिसिल ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में ट्रैक्टर उत्पादन की लागत का 75-80 फीसदी हिस्सा रहने वाले इस्पात और पिग आयरन जैसे प्रमुख कच्चे माल की कीमतें अप्रैल-दिसंबर में साल-दर-साल 35-40 प्रतिशत बढ़ी हैं और विवेकाधीन लागत सामान्य हो गई है।

हालांकि क्रिसिल ने कहा कि परिणामी गिरावट के बावजूद परिचालन मार्जिन महामारी-पूर्व के स्तर के अनुरूप 15-16 प्रतिशत पर बेहतर रहेगा। क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा, ÷हमें उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में ट्रैक्टर की बिक्री की मात्रा पिछले साल के उच्च आधार की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत घट जाएगी। हल्की बारिश और अपेक्षा से कहीं कम खरीफ उत्पादन ने स्थिति को और खराब कर दिया है।'' सेठी ने कहा, %इस वित्त वर्ष में ग्रामीण आय का स्तर प्रभावित हुआ है और हमें इस वित्त वर्ष में घरेलू ट्रैक्टर बिक्री की मात्रा में चार-छह प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। क्रिसिल ने कहा कि निर्यात में अनुमानित 40-50 फीसदी की वृद्धि, जो मांग का 9-10 फीसदी है, घरेलू मांग में नरमी के प्रभाव को मामूली रूप से कम करेगा।

वित्त मंत्रालय ने दो राज्यों को अतिरिक्त 7,309 करोड़ रुपए उधार लेने की मंजूरी दी

नई दिल्लीः

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को राजस्थान और आंध्र प्रदेश को बिजली क्षेत्र में सुधार के लिए 7,309 करोड़ रुपए की अतिरिक्त उधारी लेने की इजाजत दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राजस्थान और आंध्र प्रदेश को क्रमशः 5,186 करोड़ रुपए और 2,123 करोड़ रुपए अतिरिक्त उधार लेने की अनुमति दी गई है। बयान के मुताबिक, ''व्यय विभाग ने बिजली क्षेत्र में निर्धारित सुधारों को पूरा करने के लिए दो राज्यों को 7,309 करोड़ रुपए की अतिरिक्त उधारी लेने अनुमति दी है।'' वित्त मंत्रालय ने राज्यों द्वारा बिजली क्षेत्र में किए गए सुधारों के आधार पर उन्हें 2021-22 से 2024-25 तक हर साल सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 0.5 प्रतिशत तक अतिरिक्त उधार लेने की इजाजत देने का फैसला किया है। 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर मिली इस सुविधा से राज्यों को हर साल एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे। राजस्थान और आंध्र प्रदेश के अलावा नौ अन्य राज्यों- असम, गोवा, केरल, मणिपुर, मेघालय, ओडिशा, सिक्किम, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश ने भी बिजली मंत्रालय को अपने प्रस्ताव सौंपे हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

स्मार्टफोन बाजार ने 2021 में रिकॉर्ड 162 मिलियन शिपमेंट हासिल किया

-2020 से बढ़ रहा है12 फीसदी की दर से

नई दिल्ली ।

एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में स्मार्टफोन बाजार ने 2021 में रिकॉर्ड 162 मिलियन शिपमेंट हासिल किया, जो 2020 में 12 फीसदी की दर से बढ़ रहा है।वर्ष की कठिन शुरूआत के बाद, कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण, भारत ने दूसरी छमाही में जोरदार सुधार किया।यह जानकारी बाजार अनुसंधान फर्म कैनालिस की रिपोर्ट में दी गई है। कैनालिस के विश्लेषक संयम चौरसिया ने एक बयान में कहा, ÷टीकाकरण रोलआउट, बाजार फिर से खोलने और मांग में कमी के कारण, स्मार्टफोन शिपमेंट पूरे वर्ष के लिए सभी समय के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। दोनों प्रतिस्थापन मांग और स्मार्टफोन पर माइग्रेट करने वाले नए ग्राहकों द्वारा संचालित 2022 में विकास जारी रहने की उम्मीद है। चौरसिया ने कहा, ÷कुल मिलाकर, भारत भविष्य में सुरक्षित प्रौद्योगिकियों की दिशा में ऊपर की ओर गति देखेगा, जिसमें स्मार्टफोन डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के मूल में होंगे और भारतीय नागरिकों के दैनिक जीवन के लिए और अधिक आवश्यक होंगे।÷तीसरी तिमाही में मजबूत वापसी के बाद, स्मार्टफोन विक्रेताओं ने चुनौतीपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला के बावजूद, 2 प्रतिशत की वृद्धि के लिए चौथी तिमाही में 44.5 मिलियन डिवाइस भेजे। शाओमी अग्रणी था, जिसने 9.3 मिलियन यूनिट की शिपिंग की और अपनी 21 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी बनाए रखी। सैमसंग 19 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 85 लाख यूनिट के साथ दूसरे स्थान पर रहा। रीयलमी पहली बार भारत में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जिसमें सालाना आधार पर 49 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 76 लाख शिपमेंट तक पहुंच गई है। वीवो और ओप्पो ने क्रमशः 5.6 मिलियन और 4.9 मिलियन यूनिट के साथ चौथा और पांचवां स्थान हासिल किया।

आरबीआई ने इंडियन मर्केंटाइल कोऑपरेटिव बैंक पर लगाए प्रतिबंध

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लखनऊ के इंडियन मर्केंटाइल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर एक लाख रुपए की निकासी सीमा समेत कई प्रतिबंध लगा दिए हैं। आरबीआई के अनुसार ये प्रतिबंध 28 जनवरी शुक्रवार को व्यावसायिक समय के बाद से प्रभावी हो गए हैं। आरबीआई ने कहा कि लखनऊ स्थित सहकारी बैंक बिना उसकी मंजूरी के कोई ऋण, अग्रिम प्रदान या नवीनीकृत जारी नहीं करेगा और न ही कोई निवेश कर सकेगा। आरबीआई ने कहा कि बैंक के किसी जमाकर्ता को बचत, चालू या अन्य खातों में मौजूद कुल शेष राशि में से एक लाख रुपए से अधिक की राशि को निकालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि केंद्रीय बैंक ने कहा कि इन निषेधात्मक निर्देशों को आरबीआई द्वारा बैंकिंग लाइसेंस को रद्द करने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

निसान एसयूवी मैग्नाइट की मांग बढ़ी, 15 वैश्विक बाजारों में कर रही निर्यात

नई दिल्ली ।

प्रसिद्ध कार निर्माता कंपनी निसान ने शुक्रवार को कहा कि उसके 'कॉम्पैक्ट एसयूवी-मैग्नाइट का अब कुल मिलाकर 15 वैश्विक बाजारों में निर्यात किया जा रहा है। कंपनी के चेन्नई स्थित विनिर्माण संयंत्र में उत्पादित मॉडल को दिसंबर 2020 में बाजार में लाया गया था और तब से इसे भारत में कुल 78,000 बुकिंग हासिल हो चुकी है और 6,344 वाहनों का निर्यात किया गया है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया में मैग्नाइट की शुरुआत के बाद, मॉडल अब नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, ब्रुनेई, युगांडा, केन्या, सेशेल्स, मोज़ाम्बिक, जाम्बिया, मॉरीशस, तंजानिया और मलावी में ग्राहकों के लिए भी उपलब्ध है। अफ्रीका, पश्चिम एशिया, भारत, यूरोप और ओशिनिया क्षेत्र के निसान के अध्यक्ष गिलाउम कार्टियर ने एक बयान में कहा, 'मैग्नाइट एक असाधारण कार है और निसान डिजाइन और इंजीनियरिंग के साथ-साथ भारतीय विनिर्माण की ताकत और विशेषज्ञता के लिए एक शानदार उत्पाद है। मैं उत्साहित हूं कि कई और बाजारों में ग्राहक मैग्नाइट का अनुभव करने में सक्षम होंगे।' निसान मोटर इंडिया के अध्यक्ष सिनान ओज़कोक ने कहा कि कॉम्पैक्ट एसयूवी शानदार डिजाइन, प्रदर्शन और मूल्य की सार्वभौमिक अपील को प्रदर्शित करती है। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) जापान की निसान मोटर कंपनी की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है।

प्रस्ता वित बैड बैंक के परिचालन की मिली मंजूरी

मुंबई ।

देश के प्रमुख भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि प्रस्तावित बैड बैंक को परिचालन शुरू करने के लिए सभी जरूरी मंजूरियां मिल गई हैं। खारा ने कहा कि पब्लिक सेक्टर के बैंकों के पास नेशनल असेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) में मेजॉरिटी स्टेक होगी, वहीं प्राइवेट बैंकों के पास इंडिया डेट रिजॉल्युशन कंपनी लिमिटेड (आईडीआरसीएल) की अहम हिस्सेदारी होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले आम बजट में बैड बैंक का ऐलान किया था। यह एंटिटी बैंकों के बहीखातों को साफ सुथरा बनाने के लिए बैड असेट्स ले लेगी। खारा ने कहा कि शुरुआती चरण में प्रस्तावित बैड बैंक में 50,000 करोड़ रुपए के लगभग 15 मामले ट्रांसफर किए जाएंगे। बैड बैंक में लगभग 2 लाख करोड़ रुपए के बैड असेट ट्रांसफर के जाने का अनुमान है। खारा ने कहा कि शुरुआत में कुछ चिंताएं थी, लेकिन बाद में दोनों एंटिटीज को जरूरी मंजूरी हासिल हो गईं। अभी तक ट्रांसफर किए जाने के लिए 83,000 करोड़ रुपए के 38 खातों की पहचान की गई है, लेकिन इनमें से कुछ का समाधान पहले ही हो चुका है। ऑपरेशन स्ट्रक्चर के तहत एनएआरसीए बैंकों से चिह्नित एनपीए खातों का अधिग्रहण करेगी और इकट्ठा किया जाएगा। वहीं आईडीआरसीएल डेट समाधान प्रक्रिया को देखेगी।

खारा ने बैड बैंक की स्थापना के साथ बैंकिंग सेक्टर में असेट रिजॉल्युशन में तेजी आने की संभावना जाहिर करते हुए कहा कि इस खास पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप से संकटग्रस्त असेट्स के एग्रीगेशन, समाधान की विशेषज्ञता का फायदा मिलेगा। शुरुआत में बैड बैंक को 2 लाख करोड़ रुपए की असेट्स ट्रांसफर किए जाने का अनुमान था, लेकिन कुछ बड़े मामलों का समाधान हो गया। पब्लिक सेक्टर के बैंकों की बैलेंस शीट साफ करने के लिए उनकी बैड असेट्स के अधिग्रहण करने के उद्देश्य से बैड बैंक की कल्पना की गई थी। उस कर्ज को बैड लोन माना जाता है, जिन पर 90 दिन से ज्यादा समय से कोई ब्याज या मूल धन प्राप्त नहीं हुआ हो। रिजर्व बैंक ने 29 दिसंबर की फाइनेंशियल स्टैबिलिटी रिपोर्ट में कहा था कि स्ट्रेस टेस्ट से सामने आया है कि बेसलाइन सिनेरियो में सितंबर, 2022 तक ग्रॉस एनपीए 8.1 फीसदी हो सकता है, जो सितंबर, 2021 तक 6.9 फीसदी था और गंभीर स्ट्रेस सिनैरियो में यह इस अवधि में बढ़कर 9.5 फीसदी हो सकता है।

जी ट्रॉफी की उपेक्षा न करें : शास्त्री

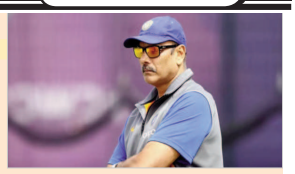

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि रणजी ट्रॉफी शीर्ष घरेलू टूर्नामेंट है ओर इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिये। शास्त्री के अनुसार रणजी ट्रॉफी भारतीय क्रिकेट की रीढ़ के समान है। इसलिए इसपर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिये। शास्त्री ने ट्वीट किया, रणजी ट्रॉफी भारतीय क्रिकेट की रीढ़ की हड्डी है। जिस पल से आप इसे नजरअंदाज करना शुरू करेंगे, हमारा क्रिकेट भी रीढ़ विहीन होने लगेगा। भारतीय क्रिकेट आज जहां भी है वह रणजी से निकले क्रिकेटरों के कारण ही है। गौरतलब है कि पिछले दिन बीसीसीआई ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए अन्य घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट के साथ ही रणजी ट्रॉफी को भी स्थगित कर दिया था। रणजी ट्रॉफी इस साल जनवरी में शुरू होने वाली थी जो अब तक शुरू नहीं हो पायी है। वहीं पिछले सत्र में भी इसका आयोजन नहीं हो पाया था जबकि आईपीएल का आयोजन हुआ था। शास्त्री से पहले भी कई दिग्गजों ने कहा था कि रणजी ट्रापफी भारतीय क्रिकेट का आधार है और उसके प्रति गंभीर होना पड़ेगा। साथ ही कहा था कि भारतीय टीम में चयन रणजी के आधार पर ही होता है। आईपीएल प्रदर्शन पर नहीं।

आस्ट्रेलियाई ओपन में इतिहास रचने की दहलीज पर नडाल और मेदवेदेव दोनों

मेलबर्न ।

पिछले साल जुलाई में विम्बलडन खत्म होने के बाद से टेनिस जगत में एक ही चर्चा है कि 21 ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाला पहला पुरूष खिलाड़ी कौन होगा। पूरा फोकस नोवाक जोकोविच पर रहा और किसी ने रफेल नडाल के बारे में नहीं सोचा। अब 2022 के पहले ग्रैंडस्लैम का फाइनल खेलने जा रहे नडाल इतिहास रचने से एक जीत दूर हैं। उनका सामना अमेरिकी ओपन चैम्पियन दानिल मेदवेदेव से होगा जो लगातार दूसरा खिताब जीतने की दहलीज पर है और पहले ग्रैंडस्लैम के बाद लगातार दूसरा जीतना भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आस्ट्रेलियाई ओपन शुरू होने से एक दिन पहले जोकोविच के निर्वासन और नडाल के लंबे समय कोर्ट से दूर रहने से पहले 21वें ग्रैंडस्लैम की होड़ काफी रोमांचक थी। पैर की चोट से जूझने और कोरोना संक्रमण का शिकार होने के बाद नडाल को पता नहीं था कि वह आस्ट्रेलियाई ओपन खेल भी सकेंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि मेरा फोकस सिर्फ आस्ट्रेलियाई ओपन पर है और कुछ नहीं। मेरे लिए 21वें खिताब से अधिक अहम है कि मैं यहां खेल रहा हूं। फेडरर और जोकोविच के समान नडाल के नाम 20 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं। कोरोना टीकाकरण के कड़े नियमों का पालन नहीं करने के कारण जोकोविच को आस्ट्रेलिया से निर्वासित कर दिया गया जबकि फेडरर दाहिने घुटने की सर्जरी के बाद अभी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। नडाल ने 2020 फ्रेंच ओपन में अपना 20वां खिताब जीता था। वहीं जोकोविच 2021 में आस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और विम्बलडन जीतकर 17वें से 20वें खिताब तक पहुंचे। अमेरिकी ओपन फाइनल में वह मेदवेदेव से हार गए थे। मेदवेदेव ने कहा कि एक बार फिर महानतम खिलाड़ियों में से एक के सामने हूं। वह भी 21वें ग्रैंडस्लैम के लिए खेल रहा है। मेदवेदेव 2019 अमेरिकी ओपन के फाइनल में नडाल से और 2021 आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में जोकोविच से हारे लेकिन अमेरिकी ओपन फाइनल में उन्होंने जोकोविच को हराया।

नडाल 29वीं बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंचने के बाद अपने आंसू नहीं छिपा सके। यहां उन्होंने सिर्फ एक बार 2009 में खिताब जीता है। उन्होंने कहा कि मैं यहां कई बार अद्भुत फाइनल खेला लेकिन जीत नहीं सका। मुझे एक मौका और मिला है जो मैने कभी सोचा भी नहीं था। मैं खुशकिस्मत महसूस कर रहा हूं।

बिग बैश लीग में चौथी बार चैंपियन बनी पर्थ स्कॉर्चर्स

मेलबोर्न ।

लॉरी एवंस के 76 रन और एंड्रयू टाय द्वारा लिए गए तीन विकेटों की बदौलत पर्थ स्कॉर्चर्स ने सिडनी सिक्सर्स को हराकर चौथी बार बीबीएल का खिताब जीत लिया है। सिडनी ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। यह फैसला सही था, क्योंकि स्कॉर्चर्स ने 25 रन पर 4 विकेट गंवा दिए। लेकिन एवंस और ऐश्टन टर्नर में शतकीय साझेदारी हुई और स्कोर 20 ओवरों में 6 विकेट पर 171 रन हो गया। जवाब में सिक्सर्स की टीम 16.2 ओवर में महज 92 रन पर ही सिमट गई। पहले खेलते हुए स्कॉर्चर्स ने 6 ओवरों में ही 4 विकेट के नुकसान पर 25 रन बनाए थे। मिचेल मार्श इंजरी के बावजूद बल्लेबाजी करने आए। वह केवल एक ही चौका लगा पाए। लेकिन एवंस ने आक्रामक रूख अपनाए रखा। उन्होंने पहली 13 गेंदों पर 33 रन बटोरे। टर्नर ने बखूबी साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों ने सिक्सर लगा कर पचास रन पूरे किए। पचास रन बनाने के बाद टर्नर आउट हो गए। इसके बाद भी एवंस नहीं रूके और लगातार रन बनाते रहे। टर्नर ने बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी में भी दक दिखाया। उन्होंने पांचवें ओवर में 6 रन खर्च करते हुए निकोलस बटर्स का अहम विकेट लिया। सिक्सर्स ने छह गेंदबाजों ने बॉलिंग करते हुए विकेट लिए। 7 ओवर में सिक्सर्स 46 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। तब टाय ने तीन झटके देकर सिक्सर्स को संभलने का मौका नहीं दिया। सिक्सर्स की पारी 16.2 ओवर में 92 रन पर सिमट गई। इस तरह स्कॉर्चर्स ने चौथी बार खिताब जीत लिया।

ऐश बार्टी ने जीता ऑस्ट्रेलिया ओपन का महिला एकल खिताब, 44 साल बाद हुआ ऐसा

खेल डैस्क ।

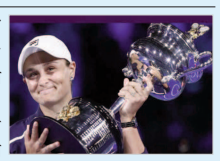

ऐश बार्टी ने मेलबर्न पार्क में महिला का एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। डेनियल कोलिन्स के खिलाफ खेले गए रोमांचक फाइनल में 25 वर्षीय बार्टी ने अपने शानदार शॉट से सबके प्रभावित किया और 44 वर्षों में ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन बनने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला बनने का गौरव हासिल किया। बार्टी दूसरे सेट में डबल ब्रेक से नीचे थी लेकिन दुनिया की नंबर 1 प्लेयर ने वापसी की टाईब्रेकर के बाद वापसी कर ली। उन्होंने यह मैच 6-3, 7-6 (7-3) से जीता। खिताब जीतने के तुरंत बाद बार्टी ने कॉलिन्स से हाथ मिलाया और कोर्ट के किनारे बैठे करीबी दोस्त केसी डेलाक्वा को गले लगा लिया। डेलाक्वा बार्टी का पूर्व डबल पार्टनर और मेंटर है। बार्टी के लिए ही कॉलिन्स ने पेशेवर टेनिस में वापसी की थी। यह विशेष क्षण सामने आने पर दर्शकों ने तालियों की गडग़ड़ाहट से उनका स्वागत किया। खिताब जीतने के बाद ऐश बार्टी ने कहा कि बहुत खूब। मैंने कई बार कहा है कि मैं आज रात बहुत खुशकिस्मत हूं कि यहां इतने सारे लोग हैं जो मुझे प्यार करते हैं, मेरा समर्थन करते हैं। बहुत खूबसूरत है कि मां और पिताजी और मेरी बहनें यहां हैं। मैं अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली लड़की हूं जिसे इतना प्यार मिला है। मुझे लगता है कि एक ऑस्ट्रेलियाई के रूप में इस टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा इसे इतने सारे लोगों के साथ साझा करने में सक्षम होना है।

टीम इंडिया पिछले 16 साल से विंडीज के खिलाफ घर में नहीं हारी कोई वनडे सीरीज

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम फरवरी में वेस्टइंडीज के विरुद्ध घरेलू वनडे और उसके बाद टी20 की सीरीज खेलनी है। इसके लिए दोनों देश के बोर्ड ने भी अपनी-अपनी टीमें घोषित कर दी हैं। टीम इंडिया ने हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ उसी के घर में वनडे सीरीज में हार झेली है। ऐसे में अब भारतीय टीम को विंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज जीतकर फैंस को खुशखबरी देने का मौका है। टीम इंडिया का अपने घर में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार रिकॉर्ड रहा है। मेजबान भारतीय टीम पिछले 16 साल से विंडीज के खिलाफ घर में कोई वनडे सीरीज नहीं हारी है। ऐसे में अब उसके पास यह अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखने का मौका है।

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने घर में पिछली 6 वनडे सीरीज में लगातार जीत दर्ज की है। अब टीम इंडिया 7वीं बार सीरीज जीतना चाहेगी। पिछली बार वेस्टइंडीज ने भारतीय टीम को उसके घर में नवंबर 2002 में हराया था। तब टीम इंडिया को 7 वनडे की सीरीज में 4-3 से हार झेलना पड़ी थी। उसके बाद से अब तक भारतीय टीम ने अपने घर में विंडीज से कोई वनडे सीरीज नहीं हारी है। दोनों टीम के बीच अभी तक भारत में 11 वनडे सीरीज खेली गई है। जिसमें से टीम इंडिया 7 सीरीज और वेस्टइंडीज 4 सीरीज जीत हैं। दोनों टीमें पिछली बार भारतीय जमीन पर दिसंबर 2019 में आमने-सामने आई थीं। तब दोनों टीम के बीच 3 वनडे की सीरीज खेली गई थी। इसमें भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को 2-1 से हराया था। वेस्टइंडीज ने भारत में पहली बार अक्टूबर 1983 में वनडे सीरीज खेली थी। तब उसने 5 मैच की सीरीज में टीम इंडिया को क्लीन स्वीप किया था। यह वनडे सीरीज वर्ल्ड कप के बाद खेली गई थी। तब 1983 के वर्ल्ड कप फाइनल में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को हराकर ही खिताब जीता था। ओवर आल देखा जाए तो दोनों टीम के बीच कुल 21 वनडे सीरीज खेली गई है जिसमें से टीम इंडिया 13 और वेस्टइंडीज 8 सीरीज जीत हैं

टीम इंडिया को अपने घर में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे और उसके बाद तीन टी20 की सीरीज खेलनी है। वनडे सीरीज के सभी मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 6, 9 और 11 फरवरी को खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें तीन टी20 की सीरीज कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 16, 18 और 20 फरवरी खेलेंगी।

संक्षिप्त समाचार

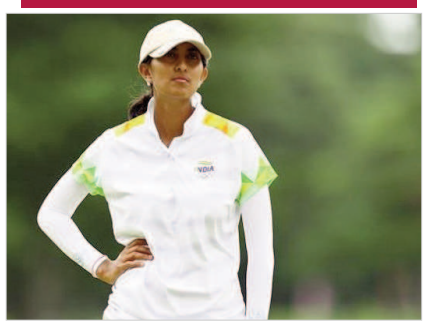

गेनब्रिज एलपीजीए टूर्नामेंट : अदिति अशोक 5वें स्थान पर खिसकी

बोका रियो। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में इवन पार 72 के स्कोर के साथ गेनब्रिज एलपीजीए टूर्नामेंट में संयुक्त पांचवें स्थान पर खिसक गई। पहले दिन छह अंडर-66 का स्कोर करने वाली अदिति उस लय को कायम नहीं रख सकी और दो स्थान नीचे आ गई। डेनियेले किंग लीडिया को 11 अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही अदिति को अच्छी शुरूआत से आगे के टूर्नामेंटों में लय बनाने में मदद मिलेगी। वहीं भारत की निष्ठा मदान अपने पदार्पण टूर्नामेंट से दूसरे दौर में ही बाहर हो गई।

लाहिड़ी संयुक्त 62वें स्थान पर

भारत के अनिर्बान लाहिड़ी फार्मर्स इंश्योरेंस ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद इवन पार 72 का स्कोर करके संयुक्त 62वें स्थान पर बने हुए हैं। लाहिड़ी इससे पहले भी 62वें स्थान पर ही थे। उन्होंने तीसरे दौर में अच्छी शुरूआत की लेकिन आखिरी पांच होल पर तीन बोगी करने के बाद अपनी स्थिति में सुधार नहीं कर सके। विल जालाटोरिस और दुनिया के पूर्व नंबर एक गोल्फर जैसन डे बढत बनाये हुए हैं।

काउंटी टीम से खेलेंगे रिजवान और राशिद

लंदन । इंग्लैंड की काउंटी टीम ससेक्स ने पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान के साथ साल 2022 सत्र के लिए करार किया है। रिजवान का यह क्लब के साथ पहला अनुबंध है, वहीं राशिद से क्लब ने चौथी बार करार किया है। राशिद से पहली बार 2018 में करार किया गया था। रिजवान अगले साल अप्रैल की शुरुआत से उपलब्ध होंगे और काउंटी चैंपियनशिप और टी-20 ब्लास्ट में हिस्सा लेंगे, जबकि राशिद टी-20 ब्लास्ट में ही नजर आएंगे। इस प्रकार रिजवान और ट्रैविस हेड के साथ राशिद 2022 सत्र के लिए क्लब के तीसरे विदेशी खिलाड़ी होंगे, हालांकि इनमें से केवल दो खिलाड़ी ही अंतिम ग्यारह में शामिल होंगे। ससेक्स के टी-20 कोच जेम्स कीतिले ने एक बयान में कहा कि राशिद टी-20 क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं और हम उन्हें टीम में शामिल कर उत्साहित हैं। 6.36 की इकॉनमी से 292 मैचों में 403 विकेटों के साथ टी-20 क्रिकेट में चौथे सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज राशिद ने पुनर्निर्धारित पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण टी-20 ब्लास्ट के पिछले सत्र में केवल तीन मैच खेले थे।राशिद ने क्लब के साथ पुन- अनुबंध करने पर कहा कि मैंने हमेशा ससेक्स में अपने समय का आनंद लिया है और टी-20 ब्लास्ट खिताब को ससेक्स के शहर होव में वापस लाने में मदद करने के लिए पहले से कहीं अधिक दृढ़ संकल्पित हूं। रिजवान ने क्लब के साथ जुड़ने पर कहा कि मैं 2022 सीजन के लिए ऐतिहासिक ससेक्स काउंटी क्रिकेट क्लब का हिस्सा बनने के लिए बहुत सम्मानित और उत्साहित महसूस कर रहा हूं। मैंने हमेशा ससेक्स समुदाय के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं और यह पारिवारिक क्लब हमेशा मेरे दिल के करीब था।

तमीम इकबाल ने फीका किया लिंडेल सिमंस का आतिशी शतक, मिनिस्टर ग्रुप ढाका को दिलाई जीत

ढाका ।

चट्टेग्राम के मैदान पर सिलहट सनराइजर्स और मिनिस्टर ग्रुप ढाका के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। सिलहट ने पहले बल्लेबाजी की जहां ओपनर लिंडेल सिमंस ने शानदार शतक लगाया। सिमंस ने शतक लगाया तो बाकी बल्लेबाज 20 से ज्यादा का स्कोर भी नहीं बना पाए। सिमंस ने विकेट के चारों ओर शॉट लगाए और 65 गेंदों में 14 चौके और पांच छक्कों की मदद से 116 रन का योगदान दिया।

उनकी इस पारी से सिलहट ने 20 ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी मिनिस्टर ग्रुप ढाका की टीम ने सिलहट के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। खास तौर पर ओपिनंग क्रम पर आए तमीम इकबाल ने मोहम्मद शहजाद के साथ मिलकर पहले ही विकेट के लिए 173 रन जोड़ दिए। शहजाद ने जहां 39 गेंदों में सात चौके और एक छक्के की मदद से 53 रन बनाए तो तमीम ने 64 गेंदों में 17 चौके और चार छक्कों की मदद से 111 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। सिलहट को उम्मीद थी कि सिमंस के शतक के कारण वह मैच में काफी मजबूत हैं लेकिन मिनिस्टर ग्रुप की ओर तमीम इकबाल ने सिलहट के गेंदबाजों के अरमानों पर पानी फेर दिया। तमीम ने 173 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। वहीं, गेंदबाजों की बात की जाए तो रवि बोपारा को छोड़कर बाकी सभी गेंदबाजों ने 9 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन दिए।

वायरस जांच पर नए संशय के बीच मोंटेनेग्रो में जोकोविच को सम्मानित किया गया

बुदवा ।

टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच को शुक्रवार को मोंटेनेगो में एक छोटे 'एड्रियाटिक सी रिजॉर्ट' में सम्मानित किया गया। हालांकि उनके उस कोविड-19 पॉजिटिव परीक्षण को लेकर फिर से संदेह उठने लगा है जिसका इस्तेमाल उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लेने की कोशिश के लिए किया था। बीबीसी ने शुक्रवार को सर्बियाई अधिकारियों द्वारा जोकोविच के आस्ट्रेलिया जाने से पहले मुहैया कराये गये परीक्षण के 'सीरियल नंबर' में विसंगतियों की खबर दी है जिससे जांच रिपोर्ट जारी करने के तरीके में कुछ अनियमितताओं की आशंका हो सकती है। जोकोविच की मीडिया टीम और सर्बिया में 'इस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ' ने एसोसिएटेड प्रेस द्वारा मांगी गयी टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया है। पर सर्बिया के सीनियर स्वास्थ्य अधिकारी ने पहले कहा था कि जोकोविच की जांच वैध थी और संबंधित संस्थान द्वारा जारी की गई थी। जोकोविच को 11 दिन तक चले वीजा प्रकरण के बाद इस महीने के शुरू में आस्ट्रेलिया से निर्वासित कर दिया गया था क्योंकि वह आस्ट्रेलिया की कोविड-19 टीकाकरण की जरूरतों को पूरा नहीं कर सके थे जिससे उन्हें आस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलने दिया गया। आस्ट्रेलिया में प्रवेश के लिए जोकोविच ने 16 दिसंबर की सर्बिया में जारी पॉजिटिव कोविड परीक्षण की रिपोर्ट दी थी ताकि उन्हें इस आधार पर वीजा में छूट दी जा सके कि उन्हें टूर्नामेंट से पहले कोविड-19 वायरस संक्रमण हो चुका है। जोकोविच ने टीकाकरण नहीं कराया है और आस्ट्रेलिया सरकार ने बाद में उनका वीजा रद्द करने का फैसला किया और इस 34 वर्षीय खिलाड़ी को निर्वासित कर दिया। जोकोविच ने कहा कि वह आस्ट्रेलियाई ओपन टूर्नामेंट के समापन तक कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करेंगे। शुक्रवार को कई सौ लोग बुदवा में छोटे से एड्रियाटिक शहर में नगरपालिका इमारत के बाहर उनके लिए चीयर कर रहे थे, जहां जोकोविच शहर का नागरिक का मानद सम्मान हासिल करने के लिये पहुंचे जिसमें उन्हें पट्टिका प्रदान की गई।

ओलंपिक के लिए बीजिंग पहुंचने वाला स्लोवेनिया का ध्वजवाहक जांच में पॉजिटिव आया

बीजिंग । प्रतिष्ठित शीतकालीन ओलंपिक स्पर्धा के लिए स्लोवेनिया का एक 'स्नोबोर्डर' बीजिंग पहुंचने के बाद कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव आया है। स्लोवेनिया की ओलंपिक समिति ने यह जानकारी दी। अगले शुक्रवार को शीतकालीन खेलों के उद्घाटन समारोह के लिए जान कोसिर को स्लोवेनिया का ध्वजवाहक चुना गया था, उन्हें कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया है। दूसरी जांच में उनके पॉजिटिव आने की पुष्टि हुई और अब वह पृथकवास में है। उन्हें कोई लक्षण नहीं हैं। स्लोवेनियाई टीम ने कहा- ड्डओलंपिक टीम प्रबंधन ने आयोजकों के दिशानिर्देशों का पालन किया और एथलीट अब पृथकवास में है। कोसिर स्लोवेनिया के सबसे सफल शीतकालीन ओलंपियन हैं। उनके अलावा स्की टीम का एक स्टाफ सदस्य भी पॉजिटिव आया है।

टेलर को पहले जाल में फंसाकर स्पॉट फिक्सिंग के लिए ब्लैकमेल किया

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक दिन पहले जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान ब्रेंडन टेलर पर स्पॉट फिक्सिंग की पेशकश की जानकारी समय पर नहीं देने के लिए साढ़े 3 साल का प्रतिबंध लगाया है।आईसीसी और ब्रैंडन टेलर के बीच मामले को लेकर जो सुनवाई हुई, उसका आधिकारिक ब्यौरा सामने आया है। इसमें चौंकाने वाले खुलासा हुआ है कि टेलर को पहले जाल में फंसाया गया और फिर उन्हें स्पॉट फिक्सिंग के लिए ब्लैकमेल किया गया। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान टेलर की गलती यह हैं कि उन्हें जब भारतीय बिजनेसमैन ने स्पॉट फिक्सिंग के लिए मोटी रकम की पेशकश की,तब उन्होंने काफी देरी से आईसीसी की इसकी जानकारी दी। आईसीसी और टेलर के बीच हुई सुनवाई का जो आधिकारिक ब्यौरा सामने आया है, उसके मुताबिक, 31 मार्च 2020 को ब्रेंडन टेलर ने पहली बार भारतीय बिजनेसमैन द्वारा की गई स्पॉट फिक्सिंग की पेशकश की जानकारी आईसीसी को दी।हालांकि, घटना नवंबर, 2019 की थी और टेलर ने 4 महीने बाद आईसीसी की एंटी करप्शन यूनिट से इसकी जानकारी दी थी। हालांकि, टेलर ने जब पहली बार आईसीसी को फिक्सिंग से जुड़ी जानकारी दी थी, तब उन्होंने यह नहीं बताया था कि इस कथित बिजनेसमैन से उन्होंने 15 हजार डॉलर (10 लाख रुपए) लिए थे। टेलर ने बाद में आईसीसी के सामने यह बात कबूली थी कि उन्हें पैसे मिले थे। लेकिन उन्होंने यह दावा किया था कि यह रकम उन्हें एक इवेंट में शामिल होने के एवज में दी गई थी। बाद में जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान ने असली कहानी बताई थी, जिसमें मैच फिक्सिंग की पूरी कहानी सामने आई थी। टेलर ने आईसीसी की सुनवाई के दौरान बताया कि बिजनेसमैन ने उन्हें यह कहते हुए भारत बुलाया था कि वहां जिम्बाब्वे में टी 20 टूर्नामेंट शुरू करना चाहते हैं, और इसके लिए उन्हें 15 हजार डॉलर की रकम देगा। तब मैं 3 रात और 4 दिन के लिए भारतीय बिजनेसमैन के खर्चे पर भारत आया था। भारत पहुंचने के बाद बिजनेसमैन ने मुझे एक फोन दिया था। टेलर ने दावा किया कि उन्होंने यह फोन इसकारण लिया था। क्योंकि उनका फोन खराब हो गया था। इतना ही नहीं, बिजनेसमैन ने टेलर के नए कपड़ों के लिए भी भुगतान किया था। भारत यात्रा के आखिर में टेलर भारतीय बिजनेसमैन और उसके सहयोगियों से मिले थे और इस बार उनसे अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में स्पॉट फिक्सिंग की पेशकश की गई। टेलर से कहा गया कि वहां अगर स्पॉट फिक्सिंग में शामिल होते हैं,तब 35 हजार डॉलर (25 लाख रुपए) तक कमा सकते हैं। तब भारतीय बिजनेसमैन ने टेलर से कहा था कि वहां मैच फिक्स करने के लिए एक और खिलाड़ी को शामिल करना चाहते हैं।टेलर ने आईसीसी को बताया कि उन्होंने शुरू में तो फिक्सिंग में शामिल होने से इनकार कर दिया था।

अफगानिस्तान का जिम्बाब्वे का सीमित ओवर दौरा फिर स्थगित

हरारे । अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के आग्रह पर फरवरी की शुरुआत में होने वाला जिम्बाब्वे का सीमित ओवर दौरा फिर से स्थगित कर दिया गया है। यह दौरा मूल रूप से दिसंबर 2021 में होना था। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने अब दूसरी बार दौरे के स्थगित होने पीछे आवश्यक प्रसारण सेवाओं को सुरक्षित करने में असमर्थ होने का हवाला दिया है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा कि दुर्भाग्यवश हम दुनिया भर में होने वाले कई अन्य क्रिकेट टूर्नामेंटों के कारण निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) सहित सभी आवश्यक प्रसारण सेवाओं को अल्प सूचना पर सुरक्षित नहीं कर सके, इसलिए दौरे को स्थगित किया जा रहा है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर मकोनी ने इस बारे में कहा कि हम अफगानिस्तान की मेजबानी को लेकर उत्साहित थे, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए दौरे को टालना ही एकमात्र विकल्प था, हालांकि हम व्यावहारिक रूप से जल्द से जल्द श्रृंखला के पुनर्निर्धारण का इंतजार कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस दौरे में तीन वनडे मैच शामिल हैं, जो आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा हैं। साथ ही साथ 5 टी-20 मुकाबले भी खेले जाने हैं। एसीबी ने फरवरी 2022 में श्रृंखला खेलने के लिए सहमति व्यक्त की थी। इस बीच अफगानिस्तान के सीमित ओवरों की सीरीज के लिए फरवरी में बंगलादेश की यात्रा करने की संभावना है। श्रृंखला में 3 वनडे मैच शामिल हैं, जो आईसीसी सुपर लीग का भी हिस्सा हैं। इसके अलावा दो टी-20 मैच भी खेले जाएंगे।

गुजरात विश्वविद्यालय का 70वाँ दीक्षांत समारोह में 49 हज़ार छात्रों को उपाधि प्रदान की गई

अहमदाबाद ।

अहमदाबाद (ईएमएस)7 मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात विश्वविद्यालय के 70वें दीक्षांत समारोह में वर्चुअल प्लेटफ़ॉर्म से छात्रों को प्रेरणापूर्ण संबोधन देते हुए समयानुकूल शिक्षा-दीक्षा के आयुध से सुसज्ज होकर आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प साकार करने का आह्वान किया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इन युवाओं को प्राप्त हो रही उपाधि या डिग्री केवल प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि भविष्य के उज्ज्वल भारत की अपेक्षा-आकांक्षा का आशा पत्र है।इस वर्चुअल समारोह की अध्यक्षता राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति तथा राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने की तथा शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी एवं शिक्षाराज्य मंत्री कुबेरभाई डिंडोर भी विशेष अतिथि के रूप में वर्चुअली उपस्थित रहे। इस 70वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न विद्या संकायों के कुल 49 हज़ार से अधिक विद्यार्थियों को उपाधियाँ, प्रमाण पत्र और 200 पदक तथा 62 पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने गुजरात विश्वविद्यालय के 70वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त कर रहे युवा विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि आज देश को कर्तव्य परायण युवा शक्ति की आवश्यकता है। उन्होंने डिग्री प्राप्त कर रहे युवाओं सेआग्रह किया कि वे सत् के मार्ग पर अपने कर्तव्य धर्म का पालन करते हुए नए विचार, नए संकल्प तथा नूतन इनोवेशन के साथ राष्ट्र निर्माण के लिए प्रवृत्त हों।राज्यपाल ने युवा छात्रों को भावी पीढ़ी के लिए आदर्श बनने की प्रेरणा देते हुए कहा कि दीक्षांत के बाद विद्यार्थी राष्ट्र की उन्नति के लिए संकल्पबद्ध होकर श्रेष्ठ समाज के निर्माण तथा समाज एवं राष्ट्र का गौरव बढ़ान के लिए प्रवृत्त हों। उन्होंने कहा कि युवा ग्लोबल वॉर्मिंग की समस्या, नशे की लत जैसी चुनौतियों का दमन करने के लिए आगे आएँ। उन्होंने रासायनिक कृषि के दुष्परिणामों को समाप्त करने का तथा प्राकृतिक कृषि को समय की मांग बताते हुए इस क्षेत्र में योगदान देने का अनुरोध किया।राज्यपाल ने बलपूर्वक कहा कि युवा शक्ति के सामर्थ्यसे ही सशक्त व समर्थ राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ हर क्षेत्र मेंराष्ट्र के गौरव को स्थापित करने का आह्वान किया है, तब यह दीक्षांत समारोह इस दिशा में नई प्रेरणा प्रदान करेगा। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति 2020 को भारत के गरिमा-गौरव को उन्नत शिखर पर ले जाने के लिए चिंतनशील बताया।इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि साधारण व्यक्ति परम्परागत मार्ग पर चल कर सफलता के लिए पुरुषार्थ करता है, जबकि महान व्यक्ति स्वयं के मार्ग का स्वयं निर्माण करता है। इतना ही नहीं, वह अन्यों को भी उस मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आदर्श नागरिक बनने का अनुरोध करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने वाले युवा विद्यार्थियों को आज़ादी के अमृत महोत्सव के इस वर्ष में सामाजिक जीवन में पदार्पण करने का अवसर मिला है। उन्होंने विद्यार्थियों के लिएइस अवसर को उन्नत भारत के निर्माण केलिए प्रतिबद्धता का अवसर बताया। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी ज्ञान-विज्ञान की सदी है। यह सदी भारत की सदी है। अत: युवा शक्ति को अपने शोध-अनुसंधान, स्टार्टअप्स, इनोवेशन आदि से शक्तिशाली भारत तथा जगद्गुरु भारत के निर्माण का नेतृत्व करना है। भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी ने वैश्विक ज्ञान की धाराओं को पहचान कर गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान विभिन्न सेक्टरल यूनिवर्सिटीज़ की स्थापना से राज्य के युवा धन को ग्लोबल एजुकेशन का अवसर दिया है।

मुख्यमंत्री ने ऐसी सेक्टरल यूनिवर्सिटीज़ के उदाहरण देते हुए टीचर्स यूनिवर्सिटी, फ़ॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, एनर्जी यूनिवर्सिटी, रेलवे यूनिवर्सिटी, स्टार्टअप यूनिवर्सिटी, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी तथा कामधेनु यूनिवर्सिटी आदि का उल्लेख किया।

2 मार्च से गुजरात विधानसभा का बजट सत्र, 3 मार्च को पेश होगा बजट

अहमदाबाद।

आगामी 2 मार्च से राज्य विधानसभा का बजट सत्र शुरू होगा। 2 मार्च को विधानसभा में बजट पेश किया जाएगा। बजट की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री निवास पर बैठकों का दौर शुरू हो गया है। संभावना है कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय-अधिकारिता और कृषि विभाग के लिए बजट के प्रावधानों में वृद्धि की जाएगी। 2 मार्च को बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण और सदन के दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। जिसके बाद विधानसभा सत्र के पहले दिन कार्यवाही खत्म हो जाएगी। सत्र के दूसरे दिन यानी 3 मार्च को वित्त मंत्री कनुभाई देसाई विधानसभा में 2022-23 का बजट पेश करेंगे। 31 मार्च तक चलने वाले बजट सत्र में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कानूनों में जरूरत के मुताबिक संशोधन विधेयक पेश किए जाएंगे। 31 मार्च को अंतिम दिन का प्रस्ताव पेश कर बजट सत्र का समापन होगा। बजट सत्र से पूर्व सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा बजट से संबंधित खर्च और नई योजनाओं के अलावा राज्य सरकार के खर्च और आय के अनुमान समेत सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। राज्य के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई 3 मार्च को अपना पहला और मौजूदा सरकार का अंतिम बजट पेश करेंगे, क्योंकि इसी साल के अंत में गुजरात विधानसभा के चुनाव होने हैं, जिससे अगले साल का बजट नई सरकार पेश करेगी। राज्य सरकार के आगामी बजट में स्वास्थ्य विभाग के प्रावधानों में 650 करोड़ रुपए की वृद्धि किए जाने की संभावना है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग के ए करीब 11000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया जाता है, जिसमें अब रु. 650 करोड़ की वृद्धि की जा सकती है।

मरने वाले की अंतिम इच्छापूर्ति के लिए श्मसान में मेला

सूरत।

मरने वाले की अंतिम इच्छा की पूर्ति करना जरूरी माना जाता है। ऐसा ही कुछ नजारा गुजरात के सूरत में देखने को मिलता है यहां साल में एक बार, श्मसान में ऐसा अनोखा मेला लगता है जिसके बारे में जानकर आप दंग रह जाएंगे। श्मसान में लगने वाले इस मेले में मृतकों की अंतिम इच्छापूर्ति के लिए, ना सिर्फ मृतक की पसंदीदा चीजें चढ़ाई जाती हैं, बल्कि श्मसान के मंदिर में प्रसाद के रूप में ज़दि केकड़े भी चढ़ाए जाते हैं। क्या आपने कभी किसी मंदिर में, भगवान पर केकड़े चढ़ते हुए देखे हैं? अगर नहीं देखे हैं तो अब देख लीजिए। सूरत के रामनाथ घेला शमसान भूमि के इस रुंधनाथ महादेव मंदिर में आने वाले भक्त ज़दि केकड़े चढ़ाते नज़र आ रहे हैं।

शिवलिंग पर केकड़े चढ़ाने वाले भक्त साल में एक बार, इस मंदिर में मन्नत पूरी होने पर और मन्नतें मांगने के लिए आते हैं। माघ महीने की एकादशी के दिन, साल में एक बार भक्त अनोखा प्रसाद चढ़ाकर, पूजा पाठ करते हैं। यहां केकड़े चढ़ाने के पीछे लोगों की मान्यता है कि ऐसा करने से शारीरिक रोग मिट जाते हैं। ख़ासकर कानों का बहरापन मिट जाता है। मंदिर में आने वाले भक्तों के हाथों में अन्य प्रसाद सामग्री के अलावा सिर्फ़ केकड़े होते हैं। इसे श्रद्धा कहें या अंधश्रद्धा यह आपको तय करना है, मगर इस अनोखे मेले की सच्चाई यही है।

इस शिव मंदिर में आने वाले भक्त ना सिर्फ़ शिवलिंग पर ज़दि केकड़े चढ़ाते हैं, बल्कि जहां शवों का अंतिम संस्कार होता है, वहां जाकर भी पूजा-पाठ करते हैं। यहां वह लोग पूजा करते हैं जिनके किसी अपने का अंतिम संस्कार हुआ हो। इस श्मसान भूमि में जिन लोगों का अंतिम संस्कार हुआ हो, उनकी सबसे प्रिय रही चीज़ को, इस दिन यहां चढ़ाया जाता है। कहते हैं ऐसा करने से मृतक को मोक्ष मिलता है। मृतक जीते जी चाहे शराब का आदी रहा हो या किसी और व्यसन का या फिर उसका कोई प्रिय भोजन रहा हो, वह सभी

सामान मृतक के परिजन यहां आकर चढ़ाते हैं। रामनाथ घेला श्मसान के ट्रस्टी हरीश भाई उमरीगर बताते हैं कि इस श्मसान भूमि की कथा रामायण काल से जुड़ी है। उनके मुताबिक, जब भगवान श्री राम चौदह वर्ष के वनवास में थे, तो वे यहां से गुजरे थे। इसी स्थान पर उन्हें अपने पिता दशरथ जी की मृत्यु का समाचार मिला था, तो उन्होंने इसी स्थान पर पिंडदान देकर मोक्ष की कामना की थी।

सूरत में हृदयदान की 40वीं घटना: गणतंत्र दिवस पर एक श्रमिक परिवार का साहस

सूरत ।

सूरत के सायन में एक बुनाई विभाग में काम करने वाले उड़ीसा के एक कर्मचारी का ब्रेन डेड हो गया है और उसके परिवार ने अपने रिश्तेदारों का दिल, किडनी, लीवर और आंखें दान करके समाज को एक नई दिशा दी है. उड़ीसा के गंजम जिले के अलादी गांव के 33 वर्षीय मूल निवासी सुशीलभाई रामचंद्र साहू और सायन, सूरत में साई सिल्क नाम के एक बुनकर 26 जनवरी को उच्च रक्तचाप के कारण बेहोश हो गए। इसलिए उन्हें तुरंत सायन जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए बैंकर हार्ट इंस्टीट्यूट, सूरत में स्थानांतरित कर दिया गया। सीटी स्कैन से पता चला कि ब्रेन हेमरेज के कारण मस्तिष्क में रक्त का थक्का जम गया है। 27 जनवरी को मेडिकल टीम ने सुशील को ब्रांडेड घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने डोनेट लाइफ संस्था को जानकारी दी तो संस्था की टीम ने सुशील के भाई सुनील व अनिल, देवर व भाभी को अंगदान का महत्व व पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया.

सुशील के भाइयों ने कहा, "हमने पहले उड़ीसा से सूरत से अंगदान की खबर टीवी पर देखी थी, इसलिए हमें अंगदान के बारे में पता है।"शरीर जल कर राख होने वाला है। हम और कुछ दान नहीं कर सकते। लेकिन अगर किसी की जान बच जाती है तो इससे बड़ा तोहफा क्या हो सकता है?

राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन परिवार की सहमति से जीवन दान करें। (SOTTO) और अंगदान के लिए कहा। किडनी और लीवर SOTTO द्वारा Zydus Hospital, अहमदाबाद को, NOTTO द्वारा MGM हॉस्पिटल, चेन्नई को दिल, सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल, मुंबई को फेफड़े दान किए गए। नेत्रदान को सूरत की लोकदृष्टि चक्षुबैंक ने स्वीकार किया। अंगदान करने वाले सुशील के माता-पिता उड़ीसा में रहते हैं। उनके परिवार के सदस्य उनके शव को उनके पैतृक उड़ीसा में दफनाने के लिए ले जाना चाहते थे ताकि वे उन्हें अंतिम सम्मान दे सकें। सूरत म्यु. आयुक्त बंछनिधि पाणि ने एयर कार्गो के साथ-साथ सूरत में रहने वाले परिवार के सदस्यों को उड़ीसा में प्लेन से भेजने की व्यवस्था की।

राधनपुर की घटना को लेकर अल्पेश ठाकोर की कड़ी प्रतिक्रिया, जरूरत पड़ी तो तलवार उठाने से पीछे नहीं हटूंगा

पाटन।

जिले के राधनपुर में हिन्दू युवती पर विधर्मी युवक द्वारा हमले की घटना को लेकर भाजपा नेता अल्पेश ठाकोर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि ऐसे लोगों के खिलाफ यदि तलवार उठाने की जरूरत पड़ी तो उससे पीछे नहीं हटूंगा। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ऐसे असामाजिक तत्त्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए। बता दें कि पाटन जिले की राधनपुर तहसील के शेरगढ़ में हिन्दू युवती के घर में घुसकर यासीन बलोच नामक शख्स ने उसके साथ जबर्दस्ती करने का प्रयास किया था। युवती के प्रतिकार करने पर यासीन बलोच ने उस पर तीक्ष्ण हथियार से वार कर उसे लहुलूहान कर दिया। हांलाकि समय रहते आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और यासीन बलोच को दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इस घटना के विरोध में हिन्दू संगठनों के आह्वान पर आज सुबह से राधनपुर समूचा बंद है। घटना के विरोध में चौधरी, भरवाड और ठाकोर समाज के हजारों लोग सड़क पर उतर आए। हमले में घायल युवती मेहसाणा के निजी अस्पताल में उपचाराधीन है, जहां भाजपा नेता अल्पेश ठाकोर ने उसके साथ मुलाकात की। अल्पेश ठाकोर ने कहा कि एक बेटी पर हमला हुआ है। बेटी को धमकी दी गई है कि उसे उठा ले जाएंगे। ऐसी घटनाओं को रोकना जरूरी है। घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए हमलावर के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की अल्पेश ठाकोर मांग की। उन्होंने कहा कि सभी समाज पीड़ित बेटी के साथ खड़ा है। अल्पेश ठाकोर ने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ यदि तलवार उठाने की जरूरत पड़ी तो उससे पीछे नहीं हटूंगा। ऐसे लोग जिस भाषा को समझते हैं उसी भाषा में जवाब देने को तैयार हूं। ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ ऐसी कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य में कोई ऐसी घटना को अंजाम देने का विचार तक न करे। अल्पेश ठाकोर ने कहा कि नेताओं को भी राजनीति से अलग हटकर आगे आना चाहिए। कायरों की राजनीति करना मुझे नहीं आता। ऐसी राजनीति होनी भी नहीं चाहिए। ऐसे असामाजिक तत्त्व जो भाषा समझते हैं, उसी भाषा में उन्हें जवाब दिया जाना चाहिए। राज्य के पूर्व मंत्री शंकर चौधरी ने भी

घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दोषी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है। डीसा के विधायक शशीकांत पंड्या ने कहा कि बेटी को न्याय मिलेगा और अब किसी की ऐसी गुस्ताखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हम कायर और नपुंशक नहीं हैं। ऐसे लोगों को समझ लेना चाहिए कि एक पंजा पड़ा तो टूट जाओगे। यह हिन्दुस्तान है, पाकिस्तान नहीं।

विधर्मी युवक द्वारा युवती पर हमले के विरोध में राधनपुर समूचा बंद, हिन्दू समुदाय में आक्रोश

पाटन।

जिले के शेरगढ़ गांव में विधर्मी युवक द्वारा हिन्दू युवती से छेड़छाड़ और प्रतिकार करने पर उस पर हमले की घटना को लेकर लोगों में जबर्दस्त आक्रोश है। घटना को लेकर राधनपुर आदर्श विद्यालय में हिन्दू समाज के अग्रणियों की बैठक हुई, जिसमें राधनपुर पूरी तरह बंद रखने का फैसला किया गया। फैसले का अमल भी हुआ राधनपुर में सुबह से लोगों ने स्वैच्छा से अपना कामकाज बंद रखा। घटना है पाटन जिले की राधनपुर तहसील के शेरगढ़ गांव की। जहां एक युवती अपने घर में काम कर रही थी। उस वक्त पड़ौस में रहनेवाला यासीन बलोच नामक युवक उसके घर में घुस आया। अचानक घर में घुसे यासीन को देख युवती चौंक उठी और वह कुछ समझे इससे पहले उसके साथ जबर्दस्ती करने लगा। युवती ने जब चीखने चिल्लाने लगी तो यासीन ने तीक्ष्ण हथियार से उस पर हमला कर उसे लहुलूहान कर दिया। इस दौरान युवती की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग वहां जमा हो गए और यासीन बलोच को दबोच लिया और बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

गुजरात के 27 शहरों में रात्रि कर्फ़्यू चार फरवरी तक बढ़ाया

अहमदाबाद।

कोरोना पर लगाम के मद्देनजर गुजरात के 27 शहरों में रात्रि कर्फ़्यू चार फरवरी तक बढ़ा दिया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। रात्रि कर्फ़्यू की तारीख बढ़ाने का फैसला सीएम भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में कोर कमेटी की बैठक के दौरान लिया, हालांकि गुजरात में संक्रमण के नए मामलों की संख्या में कमी आ रही है। पिछले 24 घंटे के दौरान 12,131 व्यक्ति संक्रमित पाए गए।

मामलों में अचानक वृद्धि के बाद राज्य सरकार ने 21 जनवरी को आठ प्रमुख शहरों के अलावा 19 शहरों में रात्रि कर्फ़्यू की घोषणा की थी। एक अधिकारी ने कहा कि रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच लागू कर्फ़्यू की अवधि 29 जनवरी को समाप्त होने वाली थी, इसलिए इसे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दुकानें, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, बाजार, सैलून, स्पा और ब्यूटी पार्लर आदि को रात 10 बजे तक संचालित करने की अनुमति है, वहीं होटल और रेस्तरां से भोजन की 24 घंटे होम डिलीवरी की अनुमति है।

सूरत भूमि, सुरत, भटार: सुयोग नगर,सुरत के भटार स्थित सरस्वती शिशु विद्यामंदिर मे 26 जनवरी 2022 को उत्साह के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। जिसमें विद्या मंदिर के प्रमुख श्री, संचालक श्री, आचार्य श्री उपस्थित रहे थें। जिसमें विद्यामंदिर के कक्षा 10 से कक्षा 12 में अभ्यास करते हुए छात्र और छात्राओ ने और आई एफ आई केडैट्स ने ध्वजवंदन विधी के कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रम को यशस्वी और सम्पन्न बनाया।

राज्य में कोरोना के 11794 नए मरीज, 33 की मौत, 21655 ठीक होकर घर लौटे

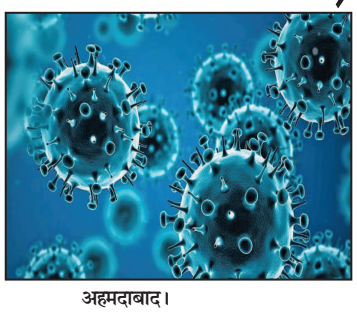

अहमदाबाद।

शनिवार को गुजरात में कोरोना के 11794 नए मरीज मिले हैं। जबकि 33 मरीजों की मौत हो गई और 21655 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। राज्य में कोरोना से ठीक होनेवालों की संख्या 10.36 लाख को पार कर गई है, वहीं एक्टिव केसों की संख्या आज घटकर 98021 रह गई है। आज राज्यभर में 2.13 से अधिक लोगों का टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 3990 मामले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए हैं। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1816, राजकोट कॉर्पोरेशन में 116, सूरत कॉर्पोरेशन में 511, वडोदरा में 441, सूरत में 368, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 326, मेहसाणा में 313, पाटन में 280, राजकोट में 266, कच्छ में 263, जामनगर कॉर्पोरेशन में 214, भरुच में 201, भावनगर कॉर्पोरेशन में 203, बनासकांठा में 191, गांधीनगर में 161, आणंद में 151, खेडा में 140, मोरबी में 121, साबरकांठा में 121, नवसारी में 116, सुरेन्द्रनगर में 91, जामनगर में 88, अहमदाबाद में 16, पंचमहल में 75, तापी में 53, महीसागर में 40, दाहोद में 39, जूनागढ़ में 39, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 33, अमरेली में 31, गिर सोमनाथ में 31, गिर सोमनाथ में 31, भावनगर में 27, नर्मदा में 24, देवभूमि द्वारका में 22, छोटाउदेपुर में 16, अरवल्ली में 15, डांग में 12, बोटाद में 10 और पोरबंदर में 6 समेत राज्यभर में कुल 11794 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं। पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 1, भावनगर कॉर्पोरेशन में 4, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 3, राजकोट कॉर्पोरेशन में 3, सूरत में 3, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, राजकोट में 2, आणंद में 2, वलसाड में 2, खेडा में 1, जामनगर में 1, अहमदाबाद में 1, भावनगर में 1 और बोटाद में 1 समेत राज्य में 33 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

इसी के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10408 पर पहुंच गया है। 21655 लोगों के डिस्चार्ज होने के साथ ही राज्य में अब तक कुल 1036156 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। फिलहाल राज्य में कोरोना के 98021 सक्रिय मरीजों में 97736 स्टेबल हैं और 285 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 90.53 प्रतिशत है। दूसरी ओर शनिवार को राज्य में 213681 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया। जिसमें 36 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 610 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 5892 को पहला और 17992 को दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 26531 को कोरोना का पहला और 54442 लोगों को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षीय 41349 किशोरों को कोरोना की पहली वैक्सीन दी गई। जबकि 66829 नागरिकों को प्रिकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 9 करोड़ 75 लाख 98 हजार 122 लोगों का टीकाकरण हो चुका है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)